जीवन दर्शन

कला प्रकृति की सहायता करती है और अनुभव कला की - टामस फुलर

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

मंगलवार 15 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 63 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

अक्षर पर 12 लाख का जुर्माना:मुंबई के खिलाफ स्लो ओवर रेट के...

पृष्ठ 8 पर

बंगाल में नहीं थम रही हिंसा, पुलिस से भिड़े आईएसएफ समर्थक, बवाल के बाद अलर्ट

कोलकाता ■

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर जारी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा घटना में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थक पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान जमकर बवाल हुआ। हिंसा में कई लोगों के घायल होने की खबर है और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई। यह हिंसा बंगाल के दक्षिण 24 परगना में हुई। यह झड़प तब हुई, जब पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को पार्टी के नेता और भांगर विधायक नौशाद सिद्दीकी की रैली में जाने से रोकने की कोशिश की। नौशाद सिद्दीकी की रैली कोलकाता के रामलीला मैदान में हुई। पुलिस का कहना है कि इस रैली के लिए पुलिस की अनुमति नहीं थी।

पुलिस ने बताया रैली में शामिल होने कोलकाता जा रहे आईएसएफ समर्थकों को दक्षिण 24 परगना में बसंती राजमार्ग पर भोजेरहाट के पास रोका गया। यहां पर मीनाखान और संदेशखाली से भी बड़ी संख्या में आईएसएफ समर्थक भी इकट्ठा थे। पुलिस द्वारा रोके जाने पर भीड़ ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, जिससे तनाव बढ़ गया।

नौशाद सिद्दीकी ने रैली में भाजपा पर लगाए आरोप

वहीं कोलकाता में सभा को संबोधित करते हुए नौशाद सिद्दीकी ने वक्फ संशोधन अधिनियम की आलोचना की और इसे वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि 'यह कानून सिर्फ मुसलमानों पर हमला नहीं है, यह संविधान पर हमला है। हम इस अधिनियम को स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसे कानूनों का समर्थन करने वाली सरकार को जाना चाहिए।' आईएसएफ ने भाजपा पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर विपक्ष के विरोध को दबाने का आरोप लगाया।

मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच एसआईटी से कराने की मांग

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा की जांच अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। वकील शशांक शेखर झा ने यह याचिका दायर की है। इसमें सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय से कानून-व्यवस्था की विफलता के लिए जवाब मांगने का भी आग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर स्मारक पहुंचे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डॉ.अंबेडकर नगर (महू) स्थित बाबा साहब अंबेडकर की जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने स्मारक का अवलोकन भी किया। उन्होंने यहां स्थित बाबा साहब के अस्थि कलश के दर्शन किए और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने भंते श्री धर्मशील के प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री महेंद्र सिंह, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, श्री कैलाश जाटव सहित अन्य जन प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर बाबा साहब की जन्म स्थली डॉ. अम्बेडकर नगर महू में भीम जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया।

न्यूज ब्रीफ

मार्क जुकरबर्ग को बेचना पड़ सकता है इंस्टाग्राम-व्हाट्सएप

वॉशिंगटन। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स-फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा को अपने दो प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम को बेचना पड़ सकता है। वजह है कंपनी के खिलाफ अमेरिका के वाशिंगटन में एंटीट्रस्ट मामले की सुनवाई। कंपनी पर अमेरिकी प्रतिस्पर्धा एंड कंज्यूमर वॉच डॉग ने आरोप लगाया है कि उसने मार्केट के कॉम्पिटिशन खत्म करने और अपना एकाधिकार बनाने के लिए 2012 में इंस्टाग्राम (1 बिलियन डॉलर) और 2014 में व्हाट्सएप (22 बिलियन डॉलर) को खरीद लिया था। व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम को खरीदने के लिए फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने ही परमिशन दी थी। लेकिन नियमों के तहत एफटीसी को डील के परिणाम को भी मॉनिटर करना होता है।

पहली बार 6 महिलाओं ने स्पेस की सैर की: 11 मिनट में 200कि.मी. से ज्यादा सफर

टेक्सास। पहली बार 6 महिलाओं ने सोमवार को एक साथ स्पेस की सैर की। इनमें मशहूर हॉलीवुड सिंगर कैटी पेरी, अमेरिकी बिलेनियर जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज शामिल हैं। अमेरिकी उद्योगपति जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन कंपनी के रॉकेट से उन्होंने यह यात्रा की। रॉकेट ने शाम 7 बजे टेक्सास के वेन होर्न लॉन्च पैड से उड़ान भरी। करीब 11 मिनट के बाद मिशन वापस लौटा। इस दौरान रॉकेट ने आना-जाना मिलाकर कुल 212 किमी का सफर तय किया। 1963 के बाद अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाला ये पहला ऑल विमेन क्रू है। इससे पहले 1963 में रूसी इंजीनियर वेलेंटिना तेरेश्कोवा ने अकेले अंतरिक्ष की यात्रा की थी। ब्लू ओरिजिन रॉकेट से स्पेस में 11 मिनट सैर करने की कीमत लगभग 1.15 करोड़ रुपए है।

14 साल नंगे पैर रहने वाले रामपाल को मिले मोदी से जूते, खाई थी कसम...

नई दिल्ली। रामपाल कश्यप की आंखों में उस दिन सिर्फ आंसू नहीं थे, एक सपना था... जो 14 साल पहले देखा था और अब जाकर पूरा हुआ। हां, यही वो शख्स हैं जिन्होंने 14 साल पहले प्रण लिया था कि जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनते और जब तक उनसे मुलाकात नहीं होती, तब तक जूते नहीं पहनेंगे। लेकिन इस कहानी का सबसे बड़ा पल वो नहीं था जब पीएम मोदी ने उन्हें जूते पहनाए। असल पल तो वो था जब उन्होंने बड़े ही स्नेह और मुस्कान के साथ रामपाल से कहा, फिर कभी ऐसा मत करना... काम करना चाहिए! प्रधानमंत्री मोदी जब रामपाल से मिले, तो वो सिर्फ एक व्रत पूरा नहीं कर रहे थे, वो एक विचारधारा को गले लगा रहे थे।

चीन ने कीमती मेटल्स की सप्लाई रोकी: गाड़ी, हथियार एयरक्राफ्ट महंगे होंगे

वॉशिंगटन ■

चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ती ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर रोक लगा दी है। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं।

ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ेगा। ये महंगे हो जाएंगे। चीन ने 4 अप्रैल को इन 7 कीमती धातुओं के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। आदेश के मुताबिक ये कीमती धातुएं और उनसे बने खास चुंबक सिर्फ स्पेशल परमिट के साथ ही चीन से बाहर भेजे जा सकते हैं। रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है।

'मुसलमानों से इतनी हमदर्दी है तो पार्टी का अध्यक्ष बना दो', प्रधानमंत्री मोदी ने दी कांग्रेस को सलाह

हिसार ■

हरियाणा के हिसार में एक चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ कानून में किए गए बदलावों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस को वाकई मुसलमानों से इतनी हमदर्दी है, तो वह अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को क्यों नहीं बनाती? संसद में 50 फीसदी टिकट मुसलमानों को क्यों नहीं देती? अगर मुसलमान जीतकर आएंगे तो अपनी बात खुद कहेंगे, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करना चाहती.

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीयत कभी मुसलमानों या किसी भी समुदाय के भले की नहीं रही. कांग्रेस ने सिर्फ कुछ कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए काम किया, जबकि बाकी मुस्लिम समाज अशिक्षित और गरीब बना रहा. मोदी ने कहा कि कांग्रेस की इस नीति का सबसे बड़ा उदाहरण वक्फ कानून है. उन्होंने बताया कि वक्फ के नाम पर देशभर में लाखों हेक्टेयर जमीन है, जिसका सही इस्तेमाल होना चाहिए था, लेकिन इसका फायदा भू-माफियाओं को मिला. नए संशोधित वक्फ कानून के तहत अब गरीबों और जरूरतमंदों को उनका हक मिलेगा और उनकी संपत्ति सुरक्षित रहेगी.

'आदिवासी की जमीन को छू भी नहीं सकेगा'

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि नए कानून के तहत अब वक्फ बोर्ड किसी भी आदिवासी की जमीन को छू भी नहीं सकेगा, चाहे वो देश के किसी भी कोने में क्यों न हो. इससे मुस्लिम समाज के गरीब, पिछड़े वर्ग, महिलाएं, खासकर विधवाएं और बच्चे सुरक्षित महसूस करेंगे और उन्हें उनका अधिकार मिलेगा. प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर संविधान के साथ खिलवाड़ करने का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस को सत्ता की चिंता हुई, उसने संविधान की आत्मा को कुचला. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर के बनाए संविधान को सिर्फ अपनी सत्ता बचाने के लिए इस्तेमाल किया और उनके विचारों को नजरअंदाज किया. मोदी ने कहा कि अब वक्त है कि देश तुष्टीकरण की राजनीति से आगे बढ़े और सच्चे सामाजिक न्याय की ओर बढ़े, जहां हर किसी को बराबरी का हक मिले.

आतंकी तहव्वुर से रोज 10 घंटे पूछताछ कर रही एनआई

नई दिल्ली। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को चौथे दिन पूछताछ की। मुख्य जांच अधिकारी जया रॉय के नेतृत्व में एनआईए के अधिकारियों की एक टीम राणा से रोज 8 से 10 घंटे पूछताछ कर रही है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के दौरान राणा सहयोग भी कर रहा है। पिछले 4 दिन में राणा ने केवल तीन चीजें मांगी हैं - एक कलम, कागज या नोटपैड और कुरान। ये तीनों उसे दिए गए हैं। हालांकि उसने अभी तक किसी खास तरह के खाने की मांग नहीं की है। इसलिए उसे स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के मुताबिक दूसरे आरोपियों को दिया जाने वाला खाना मिल रहा है।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में भीषण आग से एक की मौत

लखनऊ ■

लखनऊ स्थित लोकबंधु अस्पताल में सोमवार रात 9:30 बजे भीषण आग लग गई। आग दूसरे तल पर स्थित आईसीयू वार्ड में लगी थी। वार्ड में तब करीब 25 मरीज भर्ती थे। इससे पहले की मरीज और तीमारदार कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें देख वार्ड में चीख पुकार मच गई। डॉक्टर और अन्य स्टाफ ने तीमारदारों को निकालने का प्रयास किया। इस बीच वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। वहीं, एक मरीज की मौत हो गई है।

अस्पताल कर्मचारियों ने सीएमएस व अन्य अधिकारियों को आग की सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड लो बुलाया गया। फायर ब्रिगेड के पहुंचते-पहुंचते आग अन्य वार्डों में भी फैल गई। हर तरफ चीख पुकार मच गई। डॉक्टर, नर्स, अस्पताल कर्मी व तीमारदारों जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। पूरे अस्पताल में करीब 250 से अधिक मरीज भर्ती थे। तीमारदारों ने किसी तरह सभी को निकाला। देखते ही देखते आग पूरे परिसर में फैल गई। आग की लपटे इतनी तेज थी कि चारों तरफ धुआं भर गया।

पीएनबी लोन घोटाले का आरोपी चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

ब्रसेल्स: पंजाब नेशनल बैंक लोन फ्रॉड के आरोपी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। बेल्जियम पुलिस ने हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी की है। चोकसी को शनिवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के आग्रह पर गिरफ्तार किया गया और फिलहाल वह जेल में है। भारतीय जांच एजेंसियों ने बेल्जियम के अधिकारियों को एक औपचारिक पत्र भेजा था, जिसमें चोकसी की गिरफ्तारी की मांग की गई थी, क्योंकि उसे उस देश में देखा गया था। इसके बाद बेल्जियम पुलिस ने 23 मई 2018 और 15 जून 2021 को मुंबई कोर्ट से जारी वारंट के आधार पर चोकसी को गिरफ्तार किया।

बांग्लादेशियों के इजराइल जाने पर यूनुस सरकार की रोक

ढाका ■

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बांग्लादेशी लोगों के इजराइल जाने पर रोक लगाई है। गाजा में इजराइली सेना के हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए सरकार ने ये फैसला लिया है। बांग्लादेशी लोगों के पासपोर्ट्स पर सरकार ने फिर से इजराइल के लिए मान्य नहीं लिखना शुरू कर दिया है। 2021 में शेख हसीना सरकार ने पासपोर्ट्स से ये लाइन हटाने का निर्देश दिया था।

बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने पासपोर्ट और इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने विदेश जा रहे नागरिकों के ट्रैवल परमिट पर फिर से ये लाइन लिखने का निर्देश जारी किया है- ये पासपोर्ट इजराइल को छोड़कर सभी देशों में वैध है। गृह मंत्रालय के सिक्योरिटी सर्विसेज डिवीजन की डिप्टी सेक्रेटरी नीलिमा अफरोज ने बताया कि ये आदेश 7 अप्रैल को जारी किया गया है। 17 करोड़ की आबादी वाला मुस्लिम बहुल बांग्लादेश इजराइल के साथ डिप्लोमैटिक संबंध नहीं रखता है और आजाद फिलिस्तीन का समर्थन करता है। पुराने बांग्लादेशी पासपोर्ट्स पर एक लाइन लिखी रहती थी- ये पासपोर्ट इजराइल को छोड़कर बाकी सभी देशों में वैध है। 2021 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने इस लाइन को पासपोर्ट्स से हटा दिया था। उस वक्त अधिकारियों ने कहा था कि उन्होंने इजराइल को लेकर अपना रुख नहीं बदला है, ये कदम सिर्फ पासपोर्ट्स का इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए उठाया गया है। उस वक्त बांग्लादेश के विदेश मंत्री रहे एके अब्दुल मोमिन ने कहा था कि बांग्लादेश से कोई इजराइल घूमने नहीं जा सकता है और अगर कोई जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

व्यंग्य : वक्फ बाद एक देश, एक कानून की तैयारी में हैं मोदी..?

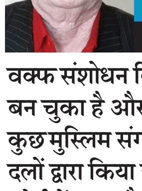

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

वक्फ संशोधन बिल जो कानून बन चुका है और इसका विरोध कुछ मुस्लिम संगठनों व विपक्षी दलों द्वारा किया जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट में 16 अप्रैल को सुनवाई भी है. यदि कानून संविधान अनुरूप हुआ तो फैसला मोदी सरकार के पक्ष में आ सकता है. वैसे फैसले के पूर्व ही प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा के हिसार में संकेत दे दिए हैं कि ' एक देश में एक ही कानून होना चाहिए, यानी सरकार अब इसकी तैयारी में है..?

देश में चलेगा एक ही कानून : प्रधानमंत्री मोदी ने दिए संकेत..?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाण के हिसार में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा.पीएम मोदी ने इस दौरान वक्फ कानून का विरोध करने पर कांग्रेस को आडे.हाथ लिया. पीएम ने सभा में यूसीसी को लेकर भी अपनी बातों को रखा और कहा कहा कि संविधान की भावना स्पष्ट रूप से कहती है कि सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता होनी चाहिए.हिसार में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान को सत्ता पाने का हथियार बना लिया,जब भी उन्हें लगा कि सत्ता उनके हाथ से फिसल रही है, तो उन्होंने संविधान को रौंद डाला, जैसा कि उन्होंने आपातकाल के दौरान किया था.संविधान की भावना स्पष्ट रूप से कहती है कि सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता होनी चाहिए, जिसे मैं धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता कहता हूं,लेकिन कांग्रेस ने इसे कभी लागू नहीं किया.उत्तराखंड में हमने धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता लागू की है, लेकिन कांग्रेस इसका विरोध करती रहती है. उल्लेखनीय है कि 27 जनवरी, 2025 से उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन गया है, जहाँ समान नागरिक संहिता लागू हो गई है. हालांकि उत्तराखंड की बीजेपी सरकार के फैसले की विपक्षी पार्टियां और कुछ धार्मिक समूहों ने विरोध भी किया है.भारतीय संविधान में गोवा को विशेष राज्य का दर्जा मिला हुआ है. साथ ही संसद ने कानून बनाकर गोवा को पुर्तगाली सिविल कोड लागू करने का अधिकार दिया था. इसलिए गोवा में यूसीसी उत्तराखंड से भी पहले से लागू है.कर्नाटक में भी बीजेपी 2023 में ही यू सी सी लागू करने वाली थी,लेकिन परिणाम बीजेपी के पक्ष में नहीं आए थे. असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी लागू करने की घोषणा कर चुके हैं. महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश में भी समिति गठित हो चुकी है. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस कानून के बारे में अग्रणी रहेंगे. कुल मिलाकर बीजेपी धीरे धीरे अपने राज्यों में लागू करते हुए इस ओर तेजी से कदम बढ़ा रही है, हालांकि मुस्लिम संगठनों का विरोध इस कानून के सन्दर्भ में भी रहेगा लेकिन बीजेपी यदि बिहार बंगाल आदि राज्यों के आगामी चुनाव में विजयी होती है तो समान नागरिक संहिता यानी एक देश में एक कानून को आसानी से लागू कर भी सकती है. खैर क्या होगा सब कुछ आगे के राजनीतिक समीकरण पर निर्भर करेगा, वैसे यह कानून लागू होने पर मुस्लिम समुदाय में बहु पत्नी प्रथा पर अंकुश लगेगा .?

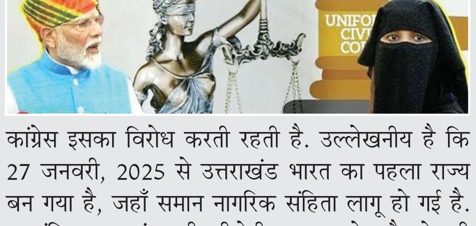

धोनी-दुबे की पार्टनरशिप से जीती चेन्नई सुपर किंग्स

लखनऊ ■

चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार 5 हार के बाद आईपीएल में दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 5 विकेट से हराया। सोमवार को इकाना स्टेडियम में चेन्नई ने बॉलिंग चुनी। लखनऊ ने 7 विकेट खोकर 166 रन बनाए। चेन्नई ने 19.3 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया।

चेन्नई के कप्तान एमएस धोनी ने 11 गेंद पर 26 रन बनाए। शिवम दुबे ने 43, रचिन रवींद्र ने 37 और शेख रशीद 27 रन बनाए। रवींद्र जडेजा और मथीश पथिराना ने 2-2 विकेट लिए। लखनऊ से ऋषभ पंत ने फिफ्टी लगाई। रवि बिश्नोई ने 2 विकेट लिए। नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे धोनी ने तेज बैटिंग की। उन्होंने महज 11 गेंद पर 26 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई। धोनी ने 1 छक्का और 4 चौके लगाए। उन्होंने शिवम दुबे के साथ छठे विकेट के लिए 57 रन की अहम पार्टनरशिप भी की। इसी पार्टनरशिप ने टीम को जीत दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

एक तरफ बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, दूसरी ओर दलित दूल्हे को मंदिर में जाने से रोका गया

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। आज यानी सोमवार को सारा देश बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती मना रहा था। लेकिन इंदौर के समीप बेटमा में कुछ दबंगों ने दलितों का अपमान करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उन्होंने बारात को मंदिर में जाने से रोका। विवाद की खबर पुलिस तक पहुंची तो मौके पर अफसर पहुंचे और मामला शांत कराया। बेटमा में रहने वाले अंकित बलाई की सोमवार को बारात निकली। परंपरा के अनुसार, दूल्हा और कुछ बाराती मंदिर में जाकर भगवान राम के दर्शन करते हैं। बारात जब मंदिर के पास गई, तब वहां कुछ दबंग भी मौजूद थे। उन्होंने बारातियों को भीतर आने से रोका, वे गेट पर ही खड़े रहे। विरोध होता देख बाराती मंदिर से लौटने लगे। इस घटनाक्रम की सूचना जब पुलिस को मिली तो थाना प्रभारी मंदिर पहुंचे और दूल्हे के चाचा को मंदिर में ले जाकर दर्शन कराए और माथा टेकवाया। पुलिस अफसरों ने दबंगों को भी समझाया तो वे भी मान गए। दूसरे बारातियों ने भी दर्शन किए। पुलिस अफसर का कहना है कि मंदिर में प्रवेश के रोकने की बात गलत है। बारात ने मंदिर में दर्शन किए, लेकिन कुछ बाराती गर्भगृह में दर्शन करने जा रहे थे। इस बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। समाज के लोगों का आरोप था कि उनके साथ हमेशा ऐसा ही भेदभाव किया जाता है। उन्होंने हिंदू धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को अपनाने की चेतावनी दी है। फिलहाल, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर मामला शांत करा दिया है।

नकली नोट छापकर चलाते थे मार्केट में, पचास हजार के नकली नोटों के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर पुलिस ने छिंदवाड़ा के तीन युवकों को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। वे खुद नकली नोट छापते थे और उसे मार्केट में चलाते थे। तीनों इंदौर के एक होटल में रुके हुए थे। पुलिस ने उसके पास से पचास हजार के नकली नोटों की गड्डी, नोट का कागज, कलर प्रिंटर जब्त किया है। आरोपियों के नाम अब्दुल शोएब, रहीश खान और प्रफुल्ल कुमार कोरी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन युवक मार्केट में नकली नोट चलाने की कोशिश कर रहे है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि इंदौर बड़ा शहर है। दुकानों पर भी भीड़ ज्यादा रहती है। इस कारण यहां नकली नोट जल्दी चलाए जा सकते थे। उनके पास से पचास हजार के नकली नोट मिले। पुलिस को अलग-अलग सीरिज के नकली नोट भी मिले है। आरोपियों के पास से एक लैपटॉप, एटीएम कार्ड भी बरामद हुआ है। पुलिस को आशंका है कि नकली नोट छापने के गिरोह में अन्य सदस्य भी शामिल हो सकते है। कुछ समय पहले ही तीनों युवकों ने नकली नोट छापने का काम शुरू किया था। उन्होंने इसका तरीका यू ट्यूब पर देखा था।

डॉ. यादव ने छात्रों और प्रोफेसरों को भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अध्यक्षता नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने की। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के जनक डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती है। जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। डॉ. यादव ने आगे कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत के संघर्ष का कार्य एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान के लोकतांत्रिक परम्पराएं, राष्ट्र की एकता और अखण्डता की शपथ दिलायी। छात्रों ने मेरा संविधान मेरा भारत के उदघोष लगाये। इस दौरान डॉ. यादव छात्रों और प्रोफेसरों से मिले और संविधान विषय पर संवाद किया। इस मौके पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, डॉ. महेन्द्र सिंह, विधायक श्री मधु वर्मा और श्री रमेश मेंदोला, श्री अक्षय कांति बम, श्री सुमित मिश्रा, श्री नरेन्द्र सलूजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संगठन को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस, बूथ को एक अलग ढंग से बदलने की बनी रणनीति

शहर और ग्रामीण अध्यक्षों को भी करना होगी अब डबल मेहनत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसके तहत राज्य अपने-अपने संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुट गए हैं। मप्र कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार बदलाव कर रही है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जमीन पर काम करने वाले युवाओं को मौका दे रहे हैं। जब से प्रदेश के नए प्रभारी हरीश चौधरी ने पद संभाला है इसमें और तेजी आ गई। हरीश चौधरी पटवारी के साथ लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं, और संगठन को मजबूत करने के लिए हर तरह के प्रयास कर रहे हैं।

इसी कड़ी में कांग्रेस के नए जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद तेज हो गई है। जिला अध्यक्षों के नामों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ चर्चा हो चुकी है। दरअसल, आलाकमान के निर्देशानुसार मप्र कांग्रेस ऐसे नेताओं को जिम्मेदारी सौंपने जा रही है जो सक्रिय हों। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस अब तीन माह में जिला अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड लेगी, जो जिलाध्यक्ष खरे नहीं उतरेंगे तो उनको चलता कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि अब देशभर में संगठन की मजबूत पर काम कर रही कांग्रेस ने तय किया है कि संगठन निर्माण और उसके क्रियाकलापों की बारीकी से निगरानी होगी। जिला और शहर अध्यक्षों को टाइमलाइन बनाकर लक्ष्य सौंप दिया गया कि जून तक गांव और वार्ड स्तर पर कमेटियां बना लेनी हैं। इतना ही नहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तो दो टूक कह दिया है कि यदि तीन माह बाद जिला और शहर अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड बनेगा। जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसी के तहत अलग अलग राज्यों के समूह बनाकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता जिला व शहर अध्यक्षों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इसमें बताया गया कि इसी मई यानी अगले माह तक मंडल कांग्रेस कमेटियों का गठन कर लेना है। प्रत्येक मंडल कमेटी के अंतर्गत 15 से 20 बूथ होंगे। इसी समय सीमा में प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को दो-दो बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-1 और बीएलए-2) की नियुक्ति करनी है।

बूथ लेवल एजेंटों का होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

गांव कांग्रेस कमेटी और वार्ड कांग्रेस कमेटियों के गठन के लिए जून, 2025 तक का समय दिया गया है। जून तक ही बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पूरा करना है। इसके अलावा मतदाता सूची से संबंधित कार्यकताओं के लिए जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण सत्र भी सतत चलाने होंगे। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि कुछ जिलाध्यक्षों ने सुझाव दिया कि अब कुछ राज्यों में पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए बिना गठबंधन के चुनाव लड़ना चाहिए। राहुल गांधी ने उनकी भावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि वह स्थिति भी आपको ही बनाना है। इसी के साथ सभी गतिविधियां भी लगातार चलाई जाना है।

संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा

हर विधानसभा और लोकसभा सीट पर संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा कि यदि सहयोगी दलों से गठबंधन न हो सके तो कांग्रेस अपने बूते पर मजबूती से चुनाव लड़ सके। संदेश यही था कि संगठन की कमजोरी के चलते ही कांग्रेस को अपने कार्यकताओं के मनोबल और मंशा की अनदेखी कर मजबूरन कई राज्यों में गठबंधन में चुनाव लड़ना पड़ रहा है। निगरानी के लिए मजबूत तंत्र की रणनीति संगठन निर्माण से लेकर पार्टी की सभी गतिविधियों के संयोजन व समन्वय के लिए भी कांग्रेस ने नए तंत्र पर काम शुरू किया है। इसी माह अप्रैल में सभी राज्यों में स्टेट साथी केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि साथी केंद्र जिला स्तर पर भी बनेंगे। राज्य और जिला साथी केंद्रों में वरिष्ठ नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। वह प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे, अमल के लिए सुझाव देंगे और रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाएंगे। इसी तरह मई तक सभी राज्यों में एआइसीसी रोल आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे, जो मतदान सूची संबंधी गतिविधियों और संगठन निर्माण प्रक्रियाओं में सहयोग के साथ निगरानी का दायित्व संभालेंगे।

पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर भड़के दिग्विजय सिंह, बीजेपी और संघ पर साधा निशाना

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वक्फ बिल संशोधन पर हर दिन एक नया घटना क्रम सामने आ रहा है, कहीं धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं, तो कहीं हिंसा भड़क उठी है। बता दें कि बिल के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा जारी है। इस बीच सोमवार को कांग्रेस के दिग्गज नेता और एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान सामने आया है।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह इंदौर में मीडिया से बात करते हुए बीजेपी के साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी हमला करते दिखे। उन्होंने ममता बनर्जी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ह्यआखिर क्या कारण है कि ऐसे कुछ संगठन जो नफरत फैलाते हैं जो दंगे फसाद करवाते हैं, उन्हें जुलूस के रूप में डीजे लगाकर मस्जिद के सामने से निकलने की क्यों इजाजत दी जाती हैं। वहीं भाजपा और संघ पर भी दिग्विजय सिंह ने सीधा निशाना साधा, उनके बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को दी नसीहत

दिग्विजय सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम लिए बिना ही उन्हें ना केवल घेरा बल्कि नसीहत भी दे डाली। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करे तो दंगे नहीं होंगे।

भाजपा की डबल इंजन सरकार को घेरा

दिग्विजय ने भाजपा कि डबल इंजन सरकार पर भी निशाना साधा, उन्होंने कहा कि, डबल इंजन सरकार की मानसिकता नफरत फैलाकर दंगे करवाने की है। भाजपा और संघ का धर्म से कोई लेना देना नहीं है, बल्कि, नफरत फैलाकर दंगे फसाद करवाना ही धर्म और राजनीति है। उन्होंने आगे कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि जिस विचारधारा के कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई, आज भी वे उसी रास्ते पर चल रहे हैं। उनके सांसद, प्रोफेसर नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहते हैं। महात्मा गांधी की हत्या करने वाला कभी देशभक्त नहीं हो सकता, वो देशद्रोही है।

लोक निर्माण से लोक कल्याण प्रगति के पथ पर मध्यप्रदेश : हर मार्ग अब लोक कल्याण की ओर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास अब केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह समग्र सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन का माध्यम बन चुका है। राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा ह्लोक निर्माण से लोक कल्याणह्व के मूल मंत्र के साथ बुनियादी ढांचे को सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के अधीन 80,775 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क क्रियाशील है, जिसमें 9,315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 11,389 किमी राज्य राजमार्ग, 25,639 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 34,432 किमी अन्य जिला मार्ग शामिल हैं। यह नेटवर्क प्रदेश के ग्रामों, नगरों, कृषि क्षेत्रों और औद्योगिक केंद्रों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है। विगत 14 महीनों के दौरान 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 5,500 किमी सड़कों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, 345 करोड़ रुपये से 1,500 किमी का डामरीकरण तथा 2,000 करोड़ रुपये से 110 पुलों और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। वर्तमान में 22,500 करोड़ रुपये लागत की 10,000 किमी सड़कों एवं 10,463 करोड़ रुपये से 474 पुलों और फ्लाईओवरों पर कार्य प्रगति पर है। राज्य सरकार द्वारा ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही नर्मदा प्रगतिपथ, विंध्य एक्सप्रेसवे, मालवा-निमाड़ कॉरिडोर, अटल प्रगतिपथ, बुंदेलखंड और मध्य भारत विकास पथ जैसी छह प्रमुख परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं, जो प्रदेश के पिछड़े अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगी।

फसलों के अवशेष नरवाई जलाने की घटनाओं के रोकथाम के लिए जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में फसलों के अवशेष नरवाई को जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश नेशनल ग्रीन टिब्युनल द्वारा समय-समय पर प्रदेश में फसलों विशेषतः गेंहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने संबंधी जारी प्रतिबंधित निर्देश के परिपालन में जारी किये गये है। इन्दौर जिले के अंतर्गत फसल अवशेषो (नरवाई) रोकथाम, पर्यावरण सुरक्षा, आमजन एवं जीव जन्तुओं की जीवन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। आदेश में कहा गया है कि इंदौर जिले में किसी भी व्यक्ति द्वारा फसलों विशेषतः गेंहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने की कार्यवाही की जाती है, तो उसके विरूद्ध इस आदेश का उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

साइबर क्रिमिनल्स के जाल में फंसकर नही हो हमारा कोई आर्थिक नुकसान... हमेशा रहो सतर्क और सावधान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर श्री राजेश दंडोतिया ने टीम के साथ Amity Medicaps इंदौर मे पहुंचकर, सायबर अवेयरनेस के कार्यशाला में वहां उपस्थित करीब 900 स्टूडेंट्स व स्टाफ को वर्तमान समय के विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए, उन्हें पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की शिकायतों की केस स्टडी के आधार पर, विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड, फर्जी लोन ऐप्प, फर्जी निवेश , डिजिटल अरेस्ट तथा सोशल मीडिया पर किये जाने वाले आदि विभिन्न साइबर अपराधों की जानकारी दी तथा साइबर अपराध होने पर हेल्पलाइन- 1930, cybercime.gov.if तथा इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 7049124445 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा पुलिस इन पर किस प्रकार कार्यवाही करती है और साइबर अपराधों से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें आदि के संबंध में प्रैक्टिकली समझाया। उन्होंने सभी से कहा कि हम लोग आजकल ज्यादा से ज्यादा काम डिजिटल रूप में ऑनलाइन कर रहे हैं, और आजकल सभी अपनी आर्थिक स्थिति को अच्छी करने के लिए विभिन्न आय के साधनों जैसे- निवेश या ऑनलाइन वर्क कर अथवा लोन आदि के माध्यम से करना चाहते है। इसी का फायदा उठाकर साइबर अपराधी विभिन्न लुभावने ऑफर और अप्रत्याशित लाभ कमाने के लिए फेक कॉल्स व फर्जी लिंक भेजकर, फर्जी टेलीग्राम बेस्ड टॉस्क और शेयर एडवाइजरी आदि के जाल में फंसाने के प्रयास में रहते है, और कई बार विभिन्न प्रकार का डर दिखाकर भी फ्रॉड करते है। इसलिए हम जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ सोशल मीडिया और ऑनलाइन फाइनेंशियल काम करें , फर्जी कॉल व लिंक से बचकर रहे तथा अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करें । इस दौरान पुलिस टीम ने सभी को साइबर अवेयरनेस के पम्पलेट्स व स्टिकर्स भी दिए और सभी को साइबर जागरूकता लाने में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया।

संवेदनशीलता और करुणा बनाती है आपको महान...

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, जीवन को मेरी नजर में दो मुख्य दृष्टिकोणों के साथ देखा और जिया जा सकता है। पहला, जो केवल भौतिक संपत्ति को महत्व देता हो और दूसरा, जो संवेदनशीलता और करुणा को प्राथमिकता देता है। आइए, आज हम एक कहानी के माध्यम से समझने का प्रयास करते हैं कि एक अच्छा जीवन जीने के लिए कौन सा दृष्टिकोण बेहतर है।

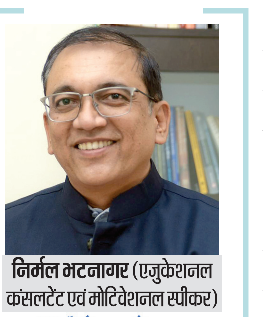

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

अपने पूर्व किए वादे के अनुसार दो दोस्त काफ़ी लंबे अरसे के बाद आज एक उद्यान में मिलने वाले थे। इन दोनों दोस्तों में से एक अब बहुत अमीर बन चुका था। उसने इस मुलाक़ात के लिए विदेश से मंगवाया एक बहुत महंगा सूट पहना, मित्र को देने के लिए एक महंगा उपहार लिया और फिर अपनी लिमोज़िन लेकर दोस्त से मिलने के लिए निकला। वहीं दूसरी ओर उसका दोस्त बड़ा साधारण जीवन व्यतीत कर रहा था। वह तो बस इसी बात से खुश था कि सालों बाद उसे अपने दोस्त से मिलने का मौक़ा मिल रहा है। इसलिए वह तो बिना कुछ पूर्व तैयारी के एक घंटा पहले ही तय उद्यान में पहुँच गया। सामान्य मुलाक़ात के बाद दोनों उद्यान में लगी एक बेंच पर बैठ कर बात करने लगे। कुछ देर की सामान्य बातचीत के बाद अमीर दोस्त ने गर्व से अपनी सफलता का जिक्र किया और अपने गरीब दोस्त की तुलना खुद से करने लगा। ग़रीब दोस्त उसकी तुलना भरी बातों को नजरंदाज करके पुरानी यादों पर चर्चा कर रहा था। कुछ देर पश्चात अमीर दोस्त एकदम से बोला, हम दोनों ने एक ही स्कूल में पढ़ाई की, साथ बड़े हुए, लेकिन देखो, आज मैं कहाँ पहुँच गया और तुम अब भी वहीं के वहीं हो। ग़रीब दोस्त ने उसके इस तंज को नजरअंदाज करा और उद्यान के किनारे लगी झाड़ियों की ओर देखने लगा। अमीर दोस्त उसे ऐसे करता देख उत्सुकता के साथ बोला, क्या हुआ मित्र? ग़रीब दोस्त मुस्कुराता हुआ बोला, कुछ नहीं! क्या तुम्हें भी मेरी तरह कोई आवाज सुनाई दी? अमीर दोस्त ओह कहते हुए पीछे मुड़ा और नीचे झुक कर बेंच के किनारे पड़े सिक्के को उठाते हुए बोला, ओह! यह तो मेरी जेब से गिरे पाँच रुपये के सिक्के की आवाज़ थी। करीब मित्र उसकी बात को नजरंदाज करता हुआ उद्यान के किनारे लगी झाड़ी की ओर बढ़ा, जहाँ उसे एक तितली नजर आई जिसका एक पंख झाड़ी के काँटों में फँस गया था। जिसकी वजह से वह अपने एक पंख को जोर-जोर से फड़फड़ा रही थी। उसने बहुत ध्यान और कोमलता के साथ, बिना तितली को नुकसान पहुँचाये, काँटों से बाहर निकाला और आजाद कर दिया। अमीर दोस्त उसे ऐसा करता देख हैरानी के साथ बोला, तुम्हें इस तितली की आवाज़ कैसे सुनाई दी? ग़रीब दोस्त मुस्कुराते हुए बोला, मित्र, शायद हमारी सोच के अंतर की वजह से। तुम्हें आजकल सिर्फ़ धन की आवाज़ सुनाई देती है; तुम्हारी नज़रें अब सिर्फ़ धन को देखती हैं, जबकि मुझे आज भी पीड़ा में पड़े किसी भी जीव की आवाज महसूस होती है। याद रखना तुम्हारी दौलत तुम्हें भौतिक दुनिया में तो सफल बना सकती है, महान नहीं। लेकिन सेवा और संवेदनशीलता इंसान को वास्तव में महान बनाती है।

बात तो दोस्तों, ग़रीब मित्र की सोलह आने सच थी। वैसे इस कहानी से हम और भी बहुत सारी सीख ले सकते हैं। जैसे-

1) सफलता का मापदंड केवल धन नहीं होता।
2) संवेदनशीलता और करुणा व्यक्ति के वास्तविक मूल्य को दर्शाती हैं।
3) धन महत्वपूर्ण है, लेकिन दूसरों की मदद करने की भावना उससे भी अधिक मूल्यवान होती है।
4) सच्ची समृद्धि केवल बैंक बैलेंस में नहीं, बल्कि दूसरों की पीड़ा को समझने और दूर करने की क्षमता में होती है।
5) मित्र दौलत वाला नहीं करुणा और संवेदनशीलता वाला होना चाहिए।

अंत में दोस्तों, इस कहानी के सार के रूप में, मैं सिर्फ़ इतना कहना चाहूँगा कि जीवन में केवल भौतिक उपलब्धियों को ही सफलता का पैमाना न मानें। एक संवेदनशील हृदय और दूसरों की सहायता करने की भावना ही व्यक्ति को सच्चे अर्थों में अमीर बनाती है। इसलिए, धन कमाने के साथ-साथ दयालुता और सेवा का भाव भी विकसित करें, क्योंकि यही हमें एक बेहतर इंसान बनाता है।

फ्लैट का दरवाजा खुलते ही...खुली रह गईं आबकारी विभाग की आखें !

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एमपी के इंदौर शहर में आबकारी विभाग ने प्रीमियम ब्रांड की अवैध शराब की होम डिलीवरी करने के मामले में एक आरोपी को पकड़ा है। आरोपी पहले शराब ठेके से जुड़ा रहा है और अब अपने ग्राहकों को होम डिलीवरी करता था। ग्राहक वाट्सऐप पर उसे कॉल करके आर्डर देते थे।

हरियाणा से शराब बुलाने की बात भी सामने आ रही है। आबकारी विभाग ने होम डिलीवरी की सूचना पर अमितेष नगर की बिल्डिंग के फ्लैट में सर्चिंग की। कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी के मुताबिक, कुछ लोगों से सूचना मिली थी। उप निरीक्षक राजेश तिवारी की टीम को मामले की जांच के लिए लगाया गया। तिवारी की टीम ने पॉश इलाके अमितेष नगर के फ्लैट में सर्चिंग की तो वहां विभिन्न प्रीमियम ब्रांडों की अवैध विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं। अलग-अलग ब्रांड की करीब एक लाख 36 हजार रुपए मूल्य की शराब जब्त कर टीम ने हरप्रीतसिंह पिता सुरजीतसिंह को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। टीम को पता चला कि पहले आरोपी किसी शराब ठेकेदार के साथ काम कर चुका है। उसने कई लोगों को ग्राहक बना रखा है और वाट्सऐप पर ऑर्डर लेकर शराब की डिलीवरी कर देता था। कई बड़े व्यापारी वर्ग के लोग उसके ग्राहक हैं। आरोपी हरियाणा व अन्य स्थानों से शराब हासिल कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेच देता था। टीम आगे छानबीन कर रही है।

इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा मॉक अभ्यास 17 अप्रैल को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग भोपाल तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में 17 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे एच.पी.सी.एल. एल.पी.जी प्लांट एबी रोड टोल प्लाजा के समीप राउखेड़ी इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित मॉक अभ्यास का आयोजन किया जायेगा।

समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के कार्य भूतो न भविष्यति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 20वीं शताब्दी में ऐसे अनेकों उल्लेखनीय कार्य किए, जिनसे 1000 वर्ष की गुलामी की विसंगतियां दूर हुईं। इन्हीं के आधार पर आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन के योगदान बहुआयामी हैं, उन्हें भारत में भविष्य की चुनौतियों का आभास हो चुका था, यद्यपि उनका जीवन बहुत कठिनाई के साथ बीता, लेकिन वे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वयं के संघर्ष से सीख ली और अपने जैसे दूसरे लोगों की मदद की।

बाबा साहब ने स्वयं की शिक्षा में कोई कसर नहीं रहने दी, इससे यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर द्वारा समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए किए गए कार्य भूतो न भविष्यति हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहब ने समूचे समाज को आरक्षण जैसी व्यवस्था प्रदान की। आज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित हर वर्ग को साक्षरता का लाभ मिल रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग की साक्षरता जो कभी मात्र 1.5 प्रतिशत थी, आज 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भविष्य में जब-जब कठिनाई आएगी, हम सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण का ध्यान रखेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत संविधान बनाया और देश को लोकतंत्र दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू स्थित भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री सुंदरलाल पटवा और श्री शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीम जन्मस्थली महू में धर्मशाला निर्माण के लिए साढ़े तीन एकड़ जमीन दी जा रही है। इससे यहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, सभी आगंतुकों की संपूर्ण सुविधा का प्रबंध राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। राज्य सरकार ने सर्वहारा वर्ग और प्रदेश के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति दूध डेयरी खोलेगा, तो उसे हमारी सरकार द्वारा 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से एक दिन पहले ही भीम जन्मस्थली डॉ. अम्बेडकर नगर महू को नई ट्रेन की सौगात मिली है। अब महू शहर सीधा देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ गया है। इस रेलगाड़ी की शुरूआत का लाभ कोटा के साथ-साथ मालवा क्षेत्र के इंदौर, उज्जैन और देवास को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लंदन में भी डॉ. अम्बेडकर का भव्य स्मारक बना है, इसी स्थान पर उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी। यह एक आवासीय क्षेत्र है। अंग्रेजों ने स्मारक बनाने का काफी विरोध किया, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से वहां भी तीर्थ का निर्माण हो चुका है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धारा 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को उसका अधिकार वापस दिया है। बाबा साहब डॉ.अम्बेडकर ने भी धारा 370 को स्वीकार नहीं किया था।

'संवैधानिक सामाजिक न्याय : एक चिंतन' पुस्तक का विमोचन

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंचासीन अतिथियों ने 'संवैधानिक सामाजिक न्याय : एक चिंतन' पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों को भीम रत्न अवार्ड प्रदान किये। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम को श्री महेन्द्र सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री महेंद्र सिंह, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, श्री कैलाश जाटव सहित अन्य जन प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित थे।

प्रेमी की शादी से टूटी युवती ने फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखी दर्दनाक वजह

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवती ने प्रेमी की शादी से आहत होकर आत्महत्या कर ली। रविवार शाम 19 वर्षीय हर्षिता प्रजापति का शव उसके घर में फांसी पर लटका हुआ मिला। जब युवती के मामा घर पहुंचे तो उन्होंने उसे इस हालत में देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के अनुसार, हर्षिता का प्रेम संबंध पंकज नाम के युवक से था, जो उसी इलाके में रहता है। दो दिन बाद पंकज की शादी होने वाली थी, जिसकी जानकारी मिलते ही हर्षिता भावनात्मक रूप से टूट गई और उसने आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लिया। हर्षिता ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा, जिसमें उसने लिखा कि वह पंकज के बिना नहीं जी सकती और उसकी शादी ही आत्महत्या की वजह है। हर्षिता के परिवार वालों ने बताया कि उसका पंकज से लंबे समय से प्रेम संबंध था, लेकिन पंकज ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया था। हर्षिता एक निजी ऑफिस में काम करती थी और उसका परिवार साधारण है। उसके पिता ई-रिक्शा चालक हैं और उसके परिवार में माता-पिता और एक बड़ा भाई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से हर्षिता का सुसाइड नोट जब्त कर लिया है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

महू में उमड़ा जनसैलाब, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के लिए देश के कोने कोने से आई जनता

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारत के संविधान निमार्ता और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती आज पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। मध्यप्रदेश के महू, जो बाबासाहेब की जन्मस्थली है, वहां विशेष आयोजन किए गए हैं। महू समेत देश के तमाम शहरों में डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए जा रहे हैं। बाबासाहेब के अनुयायियों की भारी भीड़ महू पहुंची है, जो उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दूर-दूर से आए हैं।

आज कुछ ही देर में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बाबासाहेब की जन्मस्थली महू पहुंचने वाले हैं। वे यहां डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा विशेष महत्व रखता है क्योंकि बाबासाहेब की विचारधारा और योगदान को याद करते हुए वे जनसमूह से संवाद करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा महू

महू में डॉ. अंबेडकर जयंती के अवसर पर रात 12 बजे गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान भव्य आतिशबाजी ने माहौल को उल्लासमय बना दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्त्र) ने भी महू पहुंचकर बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गीत और बैंड की आकर्षक प्रस्तुतियां भी की गईं, जो उपस्थित जनसमूह के लिए भावनात्मक और प्रेरणादायक क्षण रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी पहुंचे महू

इससे पहले सुबह करीब 9 बजे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी महू पहुंचकर डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वे भी बाबासाहेब की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों को नमन करने पहुंचे। यह स्पष्ट है कि डॉ. अंबेडकर की विरासत को सभी राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर सम्मान दे रहे हैं।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

मामूली विवाद बना जानलेवा, बीच सड़क युवक को चाकू से गोदा, दर्दनाक मौत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के खुड़ैल थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसके चलते एक 18 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना उस वक्त हुई जब युवक अपने दो दोस्तों के साथ तालाब से लौट रहा था। रास्ते में बाइक की टक्कर को लेकर आधा दर्जन से अधिक युवकों से उनका विवाद हो गया, जो देखते ही देखते खूनी झगड़े में बदल गया और आरोपियों ने हमला कर दिया।

तेजाजी नगर के नायता मुंडला में रहने वाला सलमान खान अपने दो दोस्तों छोटा सलमान और एक अन्य के साथ सनावदिया गांव के पास तालाब में नहाने गया था। लौटते समय खुड़ैल-सनावदिया रोड पर उनकी बाइक अज्ञात बाइक सवारों से टकरा गई। इसी मामूली बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई, जो कुछ ही मिनटों में हिंसक झगड़े में तब्दील हो गई। इस झगड़े के दौरान आरोपियों ने सलमान पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। हमले में सलमान के पेट, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। उसका दोस्त छोटा सलमान बीच-बचाव करने आया तो उसे भी चाकू लग गया। दोनों को तत्काल गंभीर अवस्था में एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रात में सलमान की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजनों के अनुसार, सलमान एक निजी कंपनी में काम करता था और वह अपने दो भाइयों सोहेल और साहिल के साथ इंदौर में किराए के मकान में रहता था। उसके पिता शहाबुद्दीन मूल रूप से कन्नोद गांव के निवासी हैं। बड़ा भाई सोहेल ऑटो रिक्शा चलाता है। करीब एक साल पहले तीनों भाई अपनी मां के साथ रोजगार की तलाश में इंदौर आए थे।

सिंगोली में जैन संतों के साथ हुई मारपीट से इंदौर का जैन समाज नाराज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नीमच जिले के सिंगोली गांव के मंदिर में रात्रि विश्राम के लिए रुके जैन संतों के साथ मारपीट करने की घटना को लेकर जैन समाज में रोष है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन समाज आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग पर अड़ा हुआ है।

इस मामले में श्री नाकोड़ा जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अक्षय जैन ने कहा कि सिंगोली में जैन संतों के साथ हुई अमानवीय घटना ने समस्त जैन समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के धार्मिक व नैतिक मूल्यों को झकझोर कर रख दिया है। यह केवल एक संप्रदाय पर नहीं, हमारी भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता, संयम और आध्यात्मिक गरिमा पर भी सीधा आघात है। जो असहनीय है। जैन ने कहा कि जैन संत अहिंसा, शांति, तप और संयम के प्रतीक होते हैं, सदैव समाज को नैतिकता व सदाचार की प्रेरणा देते आए हैं। ऐसे संतों के साथ इस प्रकार की हिंसक व अमानवीय घटना होना शर्मनाक है। घटना के दोषियों को कड़ी सजा मिलना चाहिए। आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या अन्य कठोर धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सभी राज्यों को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

कई इलाकों में छाने लगा जलसंकट, टैंकरों से हो रहा पानी वितरण, मेयर ने लिया नियंत्रण कक्ष का जायजा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

तापमान बढ़ने के साथ ही इंदौर में जलसंकट गहराने लगा है। शहर के कई इलाकों में टैंकरों से जल वितरण करना पड़ रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह बोरिंगों का बंद होना है। इंदौर में ज्यादातर घरों में बोरिंगों से जलापूर्ति हो जाती है। गर्मी में कई बोरिंगों ने या तो पानी देना बंद कर दिया है या फिर उनमें पानी का दबाव कम हो गया है। इस कारण शहर के ज्यादातर इलाके नर्मदा जल पर निर्भर हो चुके हैं।

शहर में रोज जलापूर्ति होती है, लेकिन नलों में भी पानी का प्रेशर कम हो गया है। लोग पंप लगाकर पानी खींचते हैं। इस कारण दूसरे घरों में नल नहीं आते हैं। जलसंकट को देखते हुए नगर निगम ने 100 से ज्यादा टैंकर किराए पर ले रखे हैं। हर वार्ड में एक टैंकर जल वितरण के लिए भेजा है। जो वार्ड क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े हैं। वहां दो टैंकरों की डिमांड आने लगी है। शहर की कई कॉलोनियों में पानी ठीक से नहीं मिलने की समस्या को देखते हुए सोमवार सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव बिजलपुर स्थित नर्मदा नियंत्रण कक्ष पर निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने पानी की टंकियों में वितरण के सिस्टम को मॉनिटरिंग व्यवस्था का अवलोकन किया। वांचू पाइंट से पानी कम क्यों आ रहा है, इसको लेकर अधिकारी कर्मचारियों से जानकारी ली। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर इसके लिए जांच के निर्देश भी दिए। उन्होंने इंदौर तक आने वाले पानी की चोरी को रोकने के लिए भी कहा है। महापौर ने कहा कि मेरे लिए पूरा शहर एक समान है, इसलिए टंकियों में पानी के वितरण में कोई भी अधिकारी, पार्षद पक्षपात न करे।

मेयर ने दिए जांच के निर्देश

आशीष सिंह ने बाबा महाकाल के दर्शन कर उज्जैन मे सिहस्थ मेला प्राधिकरण का चार्ज लिया

पुजारी से मारपीट करने वाले भाजपा विधायक पुत्र को लेकर सोशल मीडिया पर भी नाराजगी, यूजर ने दी अहम सलाह

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश के आर्थिक शहर इंदौर से भाजपा के एक और विधायक राकेश शुक्ला उर्फ गोलू भैया अपने पुत्र के कर्मों के चलते चर्चा में हैं। विधायक के बेटे का नाम रुद्राक्ष शुक्ला है, जिनकी कर्म और व्यवहार लगातार सोशल मीडिया पर चर्चा में बने रहे हैं।

विधायक पुत्र की गतिविधियां जब देवास माता मंदिर के पुजारी से मारपीट करने तक उतारू हो गईं तो मठ मंदिर पुजारी संगठन की नाराजगी के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी उनकी आलोचना शुरू हो गई। इन्हीं आलोचनाओं के बीच एक युजर ने विधायक और उनके पुत्र को लंबी-चोड़ी सलाह देते हुए पोस्ट किया है। अब ये पोस्ट भी सोशल मीडिया पर खासा चर्चा में है। पोस्ट करने वाले यूजर ने पहले तो इंदौर विधायक राकेश शुक्ला के राजनीतिक सफर और उनके परिवार की पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए लिखा है- गोलू शुक्ला ने 2023 का विधानसभा चुनाव उस समय जीता, जब ज्यादातर लोग मान चुके थे कि, पितृजोशी की जीत तय है। लेकिन, विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने बढ़त बनाई और अपनी सादगी और सहज व्यवहार से लोगों का दिल जीता। यूजर ने आगे लिखा- कभी इस परिवार की छवि बाहुबली परिवार के रूप में रही है, लेकिन विधायक राकेश शुक्ला और उनके भाई, पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने अपनी सहजता और मिलनसारी से उस छवि को बदला है। हालांकि, अब सोशल मीडिया पर उनके बेटे रुद्राक्ष की हरकतें लगातार चर्चा में रहती हैं, जिससे विधायक की छवि पर असर पड़ सकता है।

इतिहास के जरिए पिता को सलाह

पोस्ट में एक ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए पोस्ट करने वाले यूजर ने लिखा- ह्यइंदौर की पहचान मां अहिल्या बाई होलकर से है। उन्होंने न्याय के लिए अपने बेटे को ही रथ के नीचे कुचलवा दिया था। आपसे ये उम्मीद नहीं है कि आप वैसा करें। लेकिन अपने बेटे को समझाएं कि उसके कारण आपकी गद्दी खतरे में पड़ सकती है।ह्ण पोस्ट में अन्य राजनीतिक उदाहरणों का भी ज़िक्र है। जैसे- 2019 में राजेश वर्मा को अपने बेटे के कारण लोकसभा टिकट नहीं मिला। 2020 में विनोद शर्मा को बेटे के भ्रष्टाचार की वजह से विधानसभा से वंचित रहे और 2021 में अजय सिंह को बेटे की अनुशासनहीनता के कारण टिकट से हाथ धोना पड़ा। यूजर ने उदाहरण देते हुए समझाने का ये प्रयास किया कि, बेटे के व्यवहार का प्रभाव पिता के राजनीतिक भविष्य पर पड़ता है। पोस्ट के आखिर में यूजर ने विधायक पुत्र रुद्राक्ष शुक्ला को भी सलाह दी है। यूजर ने लिखा- ह्यबेटा, ऐसा काम करो कि आने वाले समय में पिता की गद्दी तुम्हें मिले।

22 हजार बुजुर्गों की पेंशन बंद निगम के चक्कर काट रहे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्गों में से 22 हजार 398 बुजुर्गों की पेंशन बंद हो गई है। इंदौर नगर निगम द्वारा ई-केवाईसी नहीं करने के कारण इन बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गई है। बहुत से बुजुर्ग अपनी पेंशन की राशि नहीं आने के कारण कभी नगर निगम के जोनल कार्यालय तो कभी पार्षद के कार्यालय पर चक्कर लगाते नजर आ रहे हैं।

ऐसे बहुत से बुजुर्ग नगर निगम मुख्यालय तक भी पहुंचते हैं, लेकिन कोई भी उन्हें यह जवाब देने की स्थिति में नहीं रहता है कि आखिर उनकी पेंशन की राशि उनके खाते में क्यों नहीं आ रही है। पार्षद के कार्यालय से इन बुजुर्गों को यह कहकर रवाना कर दिया जाता है कि जोनल कार्यालय पर जाकर मालूम करो कि पेंशन कैसे रुक गई? जब बुजुर्ग जोनल कार्यालय पर पहुंचते हैं तो वहां पर कहा जाता है कि मुख्यालय पर जाकर मालूम करो कि पेंशन क्यों रुकी है? यह बुजुर्ग जब मुख्यालय पर जाते हैं तो वहां पर उन्हें जवाब देने वाला कोई नहीं होता है। नगर निगम परिषद की पिछली बैठक में कांग्रेस की पार्षद सुनीला मिमरोट ने इस बारे में पार्षद प्रश्न लगाते हुए पूछा था कि 1 जनवरी 2024 को विभिन्न योजनाओं के तहत कितने बुजुर्गों को पेंशन प्राप्त हो रही थी।

10 लाख की चोरी में दो बाल अपचारी सहित सरगना पकड़ाया, पूछताछ

अनूपपुर ■

अनूपपुर में भालूमाड़ा पुलिस ने दो दिनों पहले अजय जायसवाल की मोबाइल दुकान से 10 लाख से ज्यादा की मोबाइल चोरी मामले का 48 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया। चोरी के मुख्य आरोपी सहित दो बाल अपचारी के कब्जे से चोरी किए गए मोबाइल सहित अन्य सामग्री जब्त किया है।

चोरी का खुलासा करते हुए एसडीओपी आरती शाक्य एवं थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि अजय कुमार जायसवाल पिता फूलचंद जयसवाल वार्ड नंबर नौ पीली दफाई भालूमाड़ा ने शिकायत दर्ज कराई की 9-10 अप्रैल की दरमियानी रात में गोल बाजार में स्थित दुकान की छत तोड़कर एप्पल कम्पनी की मोबाइल फोन, टेबलेट, ईयर बट्स कीमती लगभग 10 लाख की चोरी अज्ञात व्यक्ति कर ले गए। रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के दौरान सूचना तंत्र, घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे व साइबर सेल की मदद से बाल अपचारी उम्र 16 वर्ष निवासी भालूमाडा के कब्जे से सात नग मोबाइल फोन कीमती तीन लाख 55 हजार 597 रुपये, दूसरे बाल अपचारी उम्र 17 वर्ष 10 माह निवासी भालूमाडा के कब्जे से पांच नग मोबाइल फोन कुल कीमती दो लाख 82 हजार 398 रुपये की एवं आरोपी अनीश कुमार पिता अशोक कुमार उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 10 दफाई नम्बर तीन भालूमाड़ा के कब्जे से 07 नग मोबाइल फोन, 01 नग टेबलेट, 01 ईयर बट्स, 01 नग घड़ी कीमती चार लाख 11 हजार 396 रुपये, तीनों आरोपियों से जब्त सामान कुल कीमती 10 लाख 49 हजार 391 रुपये का चोरी जब्त किया गया।

प्राध्यापकों के ट्रांसफर से अतिथि विद्वान होंगे फालेन आउट, शिवराज की घोषणा नहीं हुई पूरी

भोपाल ■

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में वर्षों से पढ़ा रहे अतिथि विद्वानों का भविष्य एक बार फिर संकट में है। दरसअल हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग ने प्राध्यापकों की ट्रांसफर लिस्ट जारी कि है जिसको लेकर अतिथि विद्वानों को अपनी रोजी रोटी छिनने का डर सता रहा है। उनका कहना है कि जैसे ही स्थायी प्राध्यापक नई जगह जॉइन करेंगे, वहां कार्यरत अतिथि विद्वान स्वतः बाहर हो जाएंगे। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं वर्तमान मुख्यमंत्री पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने महापंचायत में घोषणा कि थी कि अतिथि विद्वान अब फालेन आउट नहीं होंगे उन्होंने जोर देकर कहा था कि अतिथि विद्वान ही रहेंगे उनके साथ जुड़ा फालेन आउट शब्द विलोपित किया जाता है, लेकिन आज तक यह घोषणा पूरी नहीं हुई।

अतिथि विद्वानों के भविष्य सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं

अतिथि विद्वान महासंघ के प्रदेश मिडिया प्रभारी डॉ. आशीष पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पठन-पाठन से लेकर नैक, रूसा, प्रवेश,परीक्षा,प्रबंधन,मूल्यांकन आदि समस्त कार्य अतिथि विद्वान ही संभालते हैं और ये बात पूरे प्रदेश के बच्चे बच्चे को पता है सरकार भी जानती है पर उन्ही अतिथि विद्वानों का भविष्य सुरक्षित नहीं है। डॉ. पाण्डेय ने कहा है कि अतिथि विद्वानों के भविष्य की सुरक्षा पर सरकार ध्यान दे आज तक इस ओर एक भी कदम नहीं उठाया गया हैं।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी,इन्दौर वनमण्डल,इन्दौर

फॉरेस्ट केम्पस,नवरतनबाग, इन्दौर, म.प्र. – 452001

Tel. (O) 0731-2490239 E-mail : dfoindore@mpforest.org

निविदा आमंत्रण सूचना

सामान्य वनमण्डल इन्दौर अंतर्गत परिक्षेत्र इन्दौर/चोरल/महू/मानपुर/पर्यावरण वानिकी/रालामण्डल अभ्यारण्य हेतु वृक्षारोपण सामग्री (वर्मी कम्पोस्ट,गोबर खाद,नीमखली,उपजाउ मिट्टी, रूटशट) क्रय करने की ई निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक DFOINDORE/TENDER/2025/2 ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की गई है। इस निविदा की विस्तृत जानकारी https:/mptenders.gov.in तथा https:/mpforest.gov.in के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

वनमण्डलाधिकारी
इन्दौर वनमण्डल इन्दौर

G-11543/25

किसी का भी बेटा हो, कार्रवाई होगी- विधायक गोलू के पुत्र मामले में वीडी शर्मा का बड़ा बयान

भोपाल ■

मध्यप्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा का इंदौर के विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला के मामले में बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मीडिया से स्पष्ट रूप से कहा कि गलत करने का किसी को अधिकार नहीं। किसी का भी बेटा हो, जांच के बाद सख्त कार्रवाई करेंगे। इखढ प्रदेशाध्यक्ष का यह बयान तब आया जब विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष को बचाने की कोशिश करने के पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लग रहे हैं।

रुद्राक्ष शुक्ला और उसके दोस्तों पर देवास के माता टेकरी मंदिर में पुजारी से अभद्रता करने और उन्हें धमकाने के आरोप हैं। विधायक पुत्र की इस हरकत के बाद जहां सोशल मीडिया में उसे जमकर ट्रोल किया जा रहा है वहीं वीडी शर्मा के सख्त बयान से उसकी तथा पिता विधायक गोलू शुक्ला की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रुद्राक्ष शुक्ला अपने दोस्तों और कारों के काफिले के साथ आधी रात के बाद देवास के माता टेकरी मंदिर पहुंचा और पट खुलवाने की जिद की। पुजारी ने मना किया तो दोस्तों ने उसके साथ मारपीट की। यह मामला तब तूल पकड़ गया जब पुजारी और उनके बेटे ने पुलिस में शिकायत कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

वीडी शर्मा ने कड़ा रुख अपनाते हुए बयान दिया

विधायक गोलू शुक्ला के पुत्र रुद्राक्ष की इस हरकत पर कांग्रेस बेहद हमलावर है। कांग्रेस नेता इस मामले में रुद्राक्ष पर केस दर्ज नहीं करने पर लगातार तीन दिनों से राज्य सरकार की नीयत पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कड़ा रुख अपनाते हुए बयान दिया है।

गलत काम करने का किसी को कोई अधिकार नहीं

वीडी शर्मा ने घटना के संबंध में मीडिया के सवाल पर जवाब देते हुए साफ कहा कि गलत काम करने का किसी को कोई अधिकार नहीं है। किसी का भी बेटा हो, इस प्रकार की घटना दुर्घटना करने का हक नहीं दिया गया है। वीडी शर्मा ने कहा कि प्रशासन इस मामले की जांच कर रहा है। कोई भी हो, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पांच दशक बाद मिले चंबल के पूर्व डकैत, हुआ मिलन समारोह

मुरैना ■

मुरैना के जौरा स्थित गांधी आश्रम एक ऐतिहासिक और भावनात्मक पल का साक्षी बना, जब चंबल के बीहड़ों से आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पूर्व डकैत 53 साल बाद एक बार फिर एकत्र हुए। यह विशेष मिलन समारोह डॉ. एसएन सुब्बाराव की याद में आयोजित किया गया, जिनकी गांधीवादी सोच और अथक प्रयासों ने चंबल में शांति स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

बता दें कि 1970 के दशक में चंबल घाटी डकैतों का गढ़ मानी जाती थी। यहां माधौ सिंह, मलखान सिंह जैसे कुख्यात डकैतों के नेतृत्व में करीब 654 गिरोह सक्रिय थे। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की पुलिस भी इनसे परेशान थी और बीहड़ों में इनका पीछा करना लगभग असंभव था।आमजन, व्यापारी और ग्रामीण इनसे भयभीत रहते थे। ऐसे कठिन समय में डॉ. एसएन सुब्बाराव ने गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाते हुए इन डकैतों को मुख्यधारा में लाने का संकल्प लिया। उन्होंने गांव-गांव जाकर और बीहड़ों में पैदल जाकर डकैतों से संपर्क किया, उन्हें अहिंसा और समाज सेवा का महत्व समझाया। उनके दृढ़ संकल्प और निरंतर संवाद ने डकैतों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया।

खाद्य विभाग ने किया निरीक्षण जांच के लिए भेजे 6 नमूने, मैनिट में फूड पॉइजनिंग का मामला

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में बच्चों की तबीयत बिगड़ने के बाद खाद्य विभाग की टीम निरीक्षण करने पहुंची। टीम ने हॉस्टल की मेस का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद विभाग ने खाद्य सामग्री के 6 नमूने लिए। टीम ने वहां के चावल, दाल, आटा, बेसन, पनीर, सब्जी के अलावा दूसरे खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए हैं। सभी नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।

बता दें कि मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (टअठक्ळ) के बॉयज हॉस्टल-4 में शनिवार को परोसे गए खाने के बाद 70 से अधिक छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। छात्रों को उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायतें हुईं। इसके बाद उन्हें संस्थान परिसर के चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार दिया गया। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की।

20 छात्रों की हालत नहीं सुधरी तो भेजा नजदीकी अस्पताल

हालांकि अधिकांश छात्रों की तबीयत में इलाज के बाद सुधार हुआ, लेकिन करीब 20 छात्रों की हालत में सुधार न होने पर उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल टीम की सतर्कता और कॉलेज प्रशासन की तत्परता के चलते एक बड़ी अनहोनी होने से टल गई।

प्रबंधन ने कहा-गर्मी हो सकती है वजह

मैनिट प्रबंधन के अनुसार इन दिनों संस्थान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें छात्र भाग ले रहे हैं और परिसर में काफी घूम-फिर रहे हैं। गर्मी के कारण धूप में ज्यादा समय बिताना और बाहर का खानपान करना भी छात्रों की तबीयत बिगड़ने की एक संभावित वजह हो सकती है, हालांकि छात्र मेस के खाने में गड़बड़ी होने की बात कह रहे हैं, शनिवार को हनुमान जयंती होने के कारण पूड़ी सब्जी, चावल बना था।

कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाऐं, इन्दौरसंभाग, इन्दौर (म.प्र.)

क्रमांक/स्टोर/2025/ 3089 इन्दौर, दिनांक 08·04·25

–:: विज्ञप्ति प्रकाशन ::–

वित्तीय वर्ष 2025–26 संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें म.प्र./राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार समय–समय पर संभाग स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षण/समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला आयोजित किये जाने हेतु इन्दौर शहर स्थित होटल के सभा कक्ष, हाल, कमरे प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान नाश्ता, चाय एवं भोजन की व्यवस्था हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज की जानकारी हेतु इच्छुक निविदाकार कार्यालय क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवायें इन्दौर संभाग इन्दौर के नाम से निविदाकार निविदा फार्म विज्ञापन प्रकाशित के दिनांक से 21 दिवस तक www.mptenders.gov.in से रुपये 1000/– का भुगतान कर ऑनलाईन प्राप्त कर सकते है। समस्त दस्तावेजों की हार्ड कापी अंतिम तिथि के पहले इस कार्यालय के भंडार शाखा मे अनिवार्य रूप से जमा करायें।

क्षेत्रीय संचालक,
स्वास्थ्य सेवाऐं, इन्दौर संभाग,
इन्दौर (म.प्र.)

G-11521/25

गुस्से में तिलमिलाए तहसीलदार ने सचिव को दे डाली नसीहत,

बोले-मैं उसको फुटबॉल बना दूंगा

राजगढ़ ■

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में खरीदी केंद्र बंद होने के कारण किसानों ने चक्काजाम कर दिया था। जहां किसानों को समझाने के लिए तहसीलदार पहुंचे थे। यहां पर सचिव ने तहसीलदार पर गाली देने का आरोप लगाया है। दरअसल, सोमवार को ब्यावरा में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी न होने के विरोध में किसानों ने जाम लगा दिया था। जिसमें किसानों को हवाला दिया गया था कि अंबेडकर जयंती के कारण खरीदी केंद्र को बंद रखा गया था। इसी दौरान तहसीलदार दौलजी राम अहिरवार किसानों को समझाने के लिए पहुंचे थे।

क्या बोले तहसीलदार

तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर कहा कि कोई कुछ नहीं करता। कोई ढेर नहीं पड़ता। मैं आप लोगों के बीच आया हूं। मैं खरीदी केंद्र के सचिव को ठीक करूंगा। मैं उसको फुटबॉल बना दूंगा। उधर, सचिव ने कहा कि अंबेडकर जयंती पर छुट्टी थी। हमने टोकन पहले जारी कर दिए थे। अवकाश के दिन खरीदी कैसे कर सकते हैं। चार दिन से खरीदी न होने की बात झूठी है। तहसीलदार के द्वारा अभ्रद भाषा का प्रयोग किया गया है। वह कर्मचारी हैं तो मैं कर्मचारी हूं।

नया डॉन मोंटी माफिया लिखकर हथियारों के साथ बनाई रील

छतरपुर. सोशल मीडिया पर दहशत फैलाने की मंशा से दो युवकों द्वारा अवैध हथियारों के साथ बनाई गई इंस्टाग्राम रील वायरल हुई है। रील में दो युवक हाथों में सिगरेट, तलवार और अवैध हथियार लहराते हुए नजर आ रहे है और वीडियो पर छतरपुर का नया डॉन मोंटी माफिया लिखा हुआ है। ओरछा रोड थाना पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मोंटी सिंह चंदेल को अवैध कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि रील के जरिए डर और दहशत फैलाने का प्रयास किया गया था, जिसे गंभीरता से लेते हुए आवश्यक धाराओं में मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई है।

निविदा आमंत्रण ई–टेण्डर

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग बुरहानपुर संभाग बुरहानपुर

web.site.: www.mp.gov.in/pwdmp email:- eepwdburmp@mp.nic.in Phone No. 07325-242084

Office Address:- PWD Rest House Campus Burhanpur, Amrawati Road, Burhanpur 450331

क्र./निविदा क्र./02/ व.ले.लि./ नवीन ई–टेण्डर पोर्टल /2025–26 बुरहानपुर दिनांक 11.04.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए रजिस्टर्ड ठेकेदार से, जो रजिस्ट्रेशन की शर्तो का मानक रखती है, से ऑनलाईन प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यो का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता हैं।

स. क्र.	ऑनलाईन ई–निविदा क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रू.)	निविदा प्रपत्र की राशि	ठेकेदार की श्रेणी	1) आमंत्रण कमांक 2) समय अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB_416259_1	मार्ग एवं पुल–पुलियाओं का मरम्मत कार्य उपसंभाग बुरहानपुर अंतर्गत।	बुरहानपुर	रू.50.00	रू.50,000/..	रू.5,000/..	लोनिवि में केन्द्रीकृत पंजीकृत	1–प्रथम 2–दि.31.03.2026 वर्षा काल सहित।
2	2025_PWDRB_416268_1	मार्ग एवं पुल–पुलियाओं का मरम्मत कार्य उपसंभाग नेपानगर अंतर्गत।	बुरहानपुर	रू.50.00	रू.50,000/..	रू.5,000/..	लोनिवि में केन्द्रीकृत पंजीकृत	1–प्रथम 2–दि.31.03.2026 वर्षा काल सहित।
		योग		रू. 100.00				

टीप–

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगें। निविदा डाक्युमेनट कय/डाउनलोड प्रारंभ तिथि 16.04.2025 सायं 10:00 बजे से एवं अंतिम दिनांक 01.05.2025 सायं 06:00 बजे तक है तथा ऑनलाईन निविदा बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01.05.2025 सायं 06:00 बजे तक है।
2. कार्य का ए–लिफाफा मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, इन्दौर परिक्षेत्र इन्दौर कार्यालय में दिनांक. 05.05.2025 को प्रातः10:00 बजे खोला जावेगा।
3. कार्यो के सी–लिफाफा के खोलने की तिथी एवं समय, की घोषणा, लिफाफा–ए के खोलने एवं उसके मूल्यांकन के पश्चात् ऑनलाईन किया जावेगा।
4. निविदा की विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में इस कार्यालय तथा उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.संभाग बुरहानपुर

G-11536/25

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

कौन है फर्जी कौन है नकली कैसे हो पहचान ?

तनवीर जाफरी
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

नकली और मिलावटी वस्तुओं यहाँ तक कि मिलावटी खाद्य सामग्री, नकली जीवन रक्षक दवाइयां, जहरीले फल व सब्जियाँ, मिलावटी घी, पनीर, दूध, खोया ,मिलावटी मिठाइयां, मिलावटी मसालों जैसी अनेक चीजों का कारोबार हमारे देश में दशकों से बेरोकटोक होता आ रहा है। और न जाने कितने लोग ऐसी खाद्य वस्तुओं के सेवन से मौत की गोद में भी समा चुके हैं। जब कभी ऐसा कोई नेटवर्क कानून की गिरफ़्त में आता है तो उसकी खबरें भी प्रकाशित होती हैं। परन्तु ऐसी नकली और मिलावटी वस्तुओं के उत्पादक,निमार्ता,वितरक व विक्रेताओं के विरुद्ध सरकार व प्रशासन क्या और कितनी कार्रवाई करता है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह जानलेवा धंधा कम होने के बजाये और भी अधिक फलता फूलता जा रहा है। हद तो यह है कि देश में तमाम ब्रांडेड सामग्रियां भी नकली बिक रही हैं। मगर कोई पूछने वाला नहीं है। जाहिर है यह सब नक़्कालों,मिलावटखोरों तथा प्रशासन के मिलेजुल नेटवर्क का ही परिणाम है। और शायद सरकार व प्रशासन की इसी अनदेखी का ही नतीजा है कि अब केवल खाद्य सामग्री या दैनिक उपभोग की वस्तुयें मात्र ही नकली या मिलावटी नहीं बल्कि यही फर्जी लोग बड़े बड़े सवेदनशील पदों को भी कलंकित करते दिखाई दे जाते हैं।

हमारे देश में कभी कोई फर्जी आई ए एस पकड़ा जाता हो तो कभी कोई फर्जी आई पी एस अधिकारी बना घूमता रहता है। हद तो यह है कि अब तो देश में न केवल स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताने वाला गुजरात का एक फर्जी व्यक्ति पकड़ा जा चुका बल्कि गत दिनों तो एक नकली हार्ट सर्जन तक गिरफ़्तार किया गया। देश के सुधी व जागरूक लोगों को याद होगा कि मार्च 2023 में श्रीनगर में किरण पटेल पुत्र जगदीश पटेल नाम के एक फर्जी व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ा गया था। यह ठग खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताता था तथा जेड प्लस सुरक्षा के साथ बुलेटप्रूफ गाड़ी पर चला करता था। जबकि जेड प्लस सुरक्षा पर प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए महीना तक का खर्च होता है। ठग पटेल हमेशा फाइव स्टार होटल में ही ठहरा करता था। प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बनकर ही वह जगह जगह की यात्राएं करता था और इसी आधार पर वह सरकारी सुख सुविधायें भी लिया करता था। खुफिया एजेंसी के अलर्ट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 2 मार्च 2023 को उसे गिरफ़्तार कर लिया। गिरफ़्तारी के समय उसके पास से कई फर्जी विजिटिंग कार्ड भी बरामद किए गए। पटेल के बारे में विस्तृत जांच से पता चला कि उसके विरुद्ध गुजरात में पहले से ही ठगी के तीन मामले दर्ज थे। उसके बावजूद उसके हौसले इतने बुलंद थे कि बाद में भी कई महीने तक यह ठग स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का उच्चाधिकारी बताकर घूमता रहा। उसके झांसे में आकर तमाम अधिकारी उसकी खुशामद में लगे रहते। सुरक्षा एजेंसियों की इससे बड़ी नाकामी और क्या हो सकती है ? जरा सोचिये कि एक तरफ तो जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक हैं जिन्हें जेड प्लस सुरक्षा व बुलेटप्रूफ गाड़ी मिलनी चाहिये परन्तु उनकी सुरक्षा के लिये तो केवल एक निजी अधिकारी तैनात किया गया जबकि गुजरात का एक ठग यह सभी सुविधायें लेकर सुरक्षा एजेंसियों व बड़े बड़े अधिकारीयों की आँखों में धूल झोंककर घूमता रहा? पिछले दिनों ऐसा ही एक और दिल दहलाने वाला मामला सामने आया। फर्जी डॉक्टर तो

देश में बहुत सुने गए थे परन्तु फर्जी हार्ट सर्जन मैं ने तो कभी नहीं सुना।मध्य प्रदेश के दामोह में अपना नाम एन जॉन केम बताने वाला एक व्यक्ति एक निजी ईसाई मिशनरी अस्पताल में सेवारत था। वह स्वयं को प्रसिद्ध ब्रिटिश डॉक्टर व कार्डियोलॉजिस्ट बताया करता था। जबकि जांच के बाद पता चला कि उस कथित डॉक्टर का वास्तविक नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है। यह मिशनरी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार से पैसे भी लेता है। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस फर्जी व्यक्ति ने अनेक मरीजों की हार्ट सर्जरी तक कर डाली। परिणाम स्वरूप एक महीने में ही इसके द्वारा हार्ट सर्जरी किये गये 7 मरीजों की मौत हो गयी। सूत्रों के अनुसार मरने वाले मरीजों की संख्या इससे ज्यादा भी हो सकती है। इस का कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने फर्जी डॉक्टर बिना योग्यता के मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे हैं,अपना अस्पताल चला रहे हैं यहाँ तक कि मरीजों की शल्य चिकित्सा तक कर रहे हैं। और तो और हमारे देश में नकली धर्मगुरु व उपदेशक का रूप धारण किये अनेक लोग घूम रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे हैं जिन्हें उनके भक्तगण देवता तुल्य समझते थे परन्तु जब उनका वास्तविक चरित्र उजागर हुआ तो पता चला कि वे संत नहीं बल्कि राक्षस हैं,व्यभिचारी,बलात्कारी व हत्यारे हैं। ऐसे नकली लोग अपने अनुयायियों को कितना बड़ा धोखा देते रहे हैं ? इसी तरह देश के एक बाबा रुपी व्यक्ति ने पहले तो योग विद्या के द्वारा लोगों को स्वस्थ रखने के नाम पर जनता में अपनी पैठ बनाई। उसके बाद वही व्यक्ति अंग्रेजी दवाइयों व विदेशी वस्तुओं के विरुद्ध प्रवचन देकर लोगों में राष्ट्रभक्ति जगाने लगा और स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग की वकालत करने लगा। फिर बड़े ही सुनियोजित तरीके से अपने धनाढ्य व्यवसायी अनुयायियों के सहयोग से वह स्वयं अपनी कम्पनी खोलकर अनेक उत्पाद स्वदेशी के नाम पर बेचने लगा। और अब इसी बहुरूपिये ने ताजातरीन विवाद एक ऐसे स्वदेशी आयुर्वेदिक शीतल पेय को लेकर खड़ा कर दिया है जिसकी देश ही नहीं विदेशों में भी भरपूर मांग है। परन्तु केवल अपना ब्रांड बेचने के लिये इसे साम्प्रदायिकता का जहर तक फैलाना पड़ा। यहाँ तक कि इसे शरबत जिहाद तक बता डाला। जबकि अनेक बार इसके अपने अनेक उत्पाद मिलावटी,नकली व अनउपयुक्त पाए जा चुके हैं। परन्तु सत्ता संरक्षित इस फर्जी व चतुर व्यक्ति का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा। परिणामस्वरूप इसे बाजार में कुछ भी और कैसे भी बेचने की गोया पूरी छूट मिली हुई है। यही व्यक्ति है जो 2013-14 के दौरान पूरे देश में घूम घूम कर कहा करता था कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने पर पेट्रोल 35 रुपए लीटर हो जायेगा। अब तेल का दाम आसमान छू रहा है परन्तु यह स्वयंभु बहरूपिया बाबा खामोश है। और जब मीडिया उसे उसकी बात याद दिलाता है तो यह कहता है कि -हाँ कहा था,क्या कर लेगा,मेरी पूँछ उखाड़ लेगा क्या? आज दुर्भाग्यवश हमारा देश ऐसे अनेक नकली व फर्जी लोगों से भरा पड़ा है। अशिक्षित लोग डिग्री धारी बनकर दुनिया को मार्गदर्शन देते घूम रहे हैं। आज देश के सामने इस बात का बड़ा संकट है कि जब समझदार,सुधी व शिक्षित लोग असली नकली,फर्जी व वास्तविक में भेद नहीं कर पा रहे तो आखिर देश का सीधा सादा आम आदमी इन वेशधारियों नकली व फर्जी लोगों की पहचान कैसे करे?

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

जमीन से 30 मीटर नीचे 12 किलोमीटर लंबी नहर से भेजा जाना है नर्मदा जल

देश की सबसे लंबी सिंचाई टनल का हाल: पत्थरों के आगे जर्मन मशीनें हुई धराशयी, बंद पड़ी खुदाई

कटनी ■

मध्यप्रदेश में महाकौशल के कटनी जिले में नर्मदा की जलधारा को भूमिगत रूप से 12 किमी दूर ले जाने बनाई जा रही टनल में निर्माणकार्य ठप पड़ा है। यहां जमीन से 30 मीटर नीचे बनाई जा रही देश की सबसे लंबी भूमिगत सिंचाई टनल से पानी जबलपुर से रीवा तक के चार जिलों की करीब ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने के लिए भेजा जाना है लेकिन दो दशक से जारी प्रोजेक्ट का अबतक 10 प्रतिशत काम होना शेष है। टनल निर्माण के लिए लगी जर्मन से आई टीबीएम मशीनों ने पत्थरों के आगे दमतोड़ दिया है। आलम यह है कि अप स्ट्रीम में सितंबर 2024 तो डाउन स्ट्रीम में जून 2024 से एक इंच भी खुदाई का कार्य नहीं हो सका है। पिछले सात माह से अप स्ट्रीम में खराब हुई टीबीएम का सुधार कराने अफसर जुटे हैं लेकिन सुधार नहीं हो सका। योजना का का कार्य वर्ष 2011 में पूरा होना था लेकिन करीब 14 वर्षों बाद भी निर्माणकार्य अधूरा है। अब अफसरों का दावा है कि दिसंबर 2025 में इसे पूरा कर लिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार स्लीमनाबाद के समीप सलैया फाटक व खिरहनी में भयंकर पहाड़ को काटकर यह 12 किलोमीटर लंबी टनल बनाई जा रही है। दो टीवीएम मशीनों से टनल का कार्य किया जा रहा था। इसमें डाउन स्ट्रीम करीब 5500 मीटर व अप स्ट्रीम में करीब 5400 मीटर खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। दोनों स्ट्रीम में कुल 1100 मीटर का कार्य शेष है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जबलपुर जिले में सिहोरा सहित अन्य स्थानों पर इस योजना से 60 हजार हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई हो रही है। टनल का कार्य पूरा होने के बाद यह पानी जबलपुर, कटनी, सतना व रीवा में 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि की प्यास बुझाएगा।

राजस्थान में है 8.7 किमी लंबी जल सुरंग- जानकारों के अनुसार बागुर नेवील सुरंग देश की सबसे लंबी जल सुरंग है। इसका निर्माण 1979-90 के बीच हुआ। यह कर्नाटक के हसन जिले के चन्नारायपटना तालुक के बागुर और नेविले गांवों के बीच है। यह 9.7 किमी लंबी व 75-200 फीट गहरी है। ऐसे ही राजस्थान में परवन बांध से निकलने वाली जल सुरंग 8.708 किमी लंबी व 8 मीटर चौड़ी है जो कोटा जिले के अकावद गांव से शुरू होकर बारां के गुंदलाई तक जाती है।

विदेशी मशीनों ने तोड़ा दम, पार्ट्स भी देरी से आए

जम्मू में टनल बनाने वाली विदेशी हैवी मशीनें स्लीमनाबाद की भूमिगत हार्ड चट्टानों के आगे बेबस साबित हो रही हैं। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अफसरों ने बताया कि टीवीएम मशीन के हेड में 56 कटर होते है। यहां पत्थर इतना सख्त है कि एक से डेढ़ मीटर खुदाई में 5-6 कटर टूट जाते है, जिससे करीब 10 लाख की चपत लगती है, फिर नये कटर लगाए जाते हैं। अफसरों ने बताया कि टीबीएम मशीन के सुधार के लिए गड्ढा खोदा गया है। मशीन में लगने वाले पार्ट्स जर्मनी से मंगवाए जाते है, जिसके यहां आने में देरी हुई है, जिसके चलते मशीन का सुधारकार्य पूरा नहीं हो पाया है।

नहरें भी हुई क्षतिग्रस्त, अबतक नहीं हुआ सुधारकार्य

जिले में भले ही अबतक टनल का निर्माणकार्य पूरा न होने के कारण नर्मदा जल प्रवाहित नहीं हो सका है लेकिन इस पानी को मैहर, सतना व रीवा पहुंचाने के लिए बनाई गईं नहरों की हालत खराब हो गई है। शहर के समीप मंडी रोड में बनी नहर बीते वर्ष हुई बारिश के चलते धराशयी हो चुकी है तो स्लीमनाबाद सहित अन्य स्थानों पर भी नहर धसक चुकी है। अफसरों ने दावा किया था कि इनका सुधारकार्य गारंटी पीरियड में ठेकेदारों से ही कराया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अबतक जिले में नहर का सुधारकार्य शुरू नहीं कराया गया है।

इनका कहना है

दीपक मंडलोई, एसडीओ, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण का कहना है कि स्लीमनाबाद में निमार्णाधीन टनल में अप स्ट्रीम में सितंबर 2024 तो डाउन स्ट्रीम में जून 2024 से टीबीएम मशीन खराब होने के कारण कार्य बंद है। टनल में कुल 1100 मीटर का कार्य होना शेष है। विदेशी मशीनें होने के कारण उसके पार्ट्स भी विदेश से मंगवाए गए है, जिसके कारण सुधारकार्य में समय लगा है। अप्रैल माह में अप स्ट्रीम में खराब मशीन का सुधारकार्य पूर्ण हो जाएगा, जिसके कारण कार्य शुरू हो सकेगा। दिसंबर 2025 तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

799 से बढकर 1300 पहुंची लागत

यह टनल नर्मदा के बरगी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। नहर प्रोजेक्ट के बीच में स्लीमनाबाद पड़ता है। इसकी बसाहट को बचाने के लिए नहर की जगह टनल बनाने का फैसला 2001 में लिया गया। टनल का एक सिरा कटनी जिले के स्लीमनाबाद से लगे सलैया फाटक की ओर है। दूसरा कटनी शहर से लगे खिरहनी में। 2008 में टनल के निर्माण का काम शुरू हुआ तब इसका टेंडर 799 करोड़ रुपए था। काम की लागत अब डेढ़ गुना से भी अधिक बढकर 1300 करोड़ के करीब पहुंच गई है।

'तेरी शादी को हो गए दो दशक, नहीं कर पा रहा बच्चे पैदा तो मुझे बता' इस बात पर हुई हत्या

शहडोल ■

शहडोल जिले में ब्यौहारी पुलिस ने ग्राम बेडरा में हुई युवक की हत्या मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है, जो घटना के बाद फरार हो गया था। आरोपी की पत्नी पर मृतक ने गलत कमेंट किया था। पति को बुरा लग गया, जिस पर नाराज पति ने युवक को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद से आरोपी फरार था, जिसे पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है।

बता दें कि 30 मार्च को शाम करीब छह बजे 35 वर्षीय युवक ने अपने घर से गांव जाने की बात कही। लेकिन रात भर वह वापस नहीं लौटा। अगले दिन 31 मार्च को सुबह सात बजे वह बेडरा के महुआ के पेड़ के नीचे गंभीर अवस्था में पाया गया। स्थानीय लोगों ने डायल 100 को सूचना दी, जिसके बाद उसे सीएचसी ब्यौहारी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण उसे संजय गांधी मेडिकल अस्पताल रीवा रेफर किया गया, जहां उसी दिन उसकी मृत्यु हो गई। इस घटना के संबंध में थाना ब्यौहारी में मर्ग दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने पाया कि युवक की मौत मारपीट में आई चोट से हुई है। पुलिस ने पड़ताल की तो पता लगा कि आरोपी की पत्नी को युवक ने गलत कमेंट कर कहा था कि तेरी शादी को दो दशक से ज्यादा हो गए हैं। अगर तू कुछ नहीं कर सकता तो मुझे बता दे, आरोपी पति को यह बात बुरी लग गई और उसने युवक को सुनसान रास्ते में पाकर पीट-पीट कर गंभीर घायल कर दिया।

19 साल में 1 रुपए भी नहीं बढ़ी एमपी के बड़े अधिकारी की जमीन की कीमत

भोपाल ■

मध्यप्रदेश के अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। इसमें कई अजब गजब बातें सामने आ रहीं हैं। प्रदेश के आइएएस अफसर पवन शर्मा के पास खेती की जमीन है लेकिन इससे कुछ आय नहीं हो रही। इधर प्रदेश के एक अन्य बड़े अधिकारी की जमीन की कीमत 19 साल से जस की तस बनी हुई है। राज्य के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के पीएस ई. रमेश कुमार की प्रॉपर्टी के दाम करीब दो दशकों में एक रुपए भी नहीं बढ़े। मध्यप्रदेश कैडर के 1999 बैच के कुल दो आइएएस अधिकारी हैं। इस बैच के अफसरों की संपत्ति पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि आइएएस अधिकारी पवन शर्मा की भोपाल में खेती की जमीन है, लेकिन खेती से इन्हें आय नहीं होती। दूसरे अधिकारी ई. रमेश कुमार की भोपाल में भी प्रॉपर्टी है। इन्होंने वर्ष 2005 में अहमदपुर कला में 2 लाख 45 हजार रुपए में प्लॉट लिया था। सरकार को सौंपे संपत्ति के ब्योरे में उन्होंने बताया कि 19 साल बाद भी इस संपत्ति की कीमत 2 लाख 45 हजार रुपए ही है।

एमपी के 32 जिलों में बारिश-ओलावृष्टि अलर्ट, किसानों की चिंता बढ़ी

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में मौसम बार-बार बदल रहा है। दक्षिण पूर्वी हिस्से और मध्य व मालवा-निमाड़ में मौसम के अलग-अलग रंग दिख रहे हैं। दो दिन से बने सिस्टम के कारण जहां दक्षिण पूर्वी हिस्से रीवा, शहडोल, जबलपुर संभाग में कई स्थानों पर बादलों ने डेरा डाला। तेज हवा के साथ बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान गिर गया।

लोगों को राहत मिली। वहीं, मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर, देवास, धार, रतलाम, खंडवा, नीमच और मध्य क्षेत्र भोपाल, रायसेन, सीहोर में सूरज के तेवर तल्ख रहे। यहां पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। रीवा और मऊगंज में ओले भी गिरे।

कमजोर हो रहा सिस्टम

सिर्फ पांच स्थानों को छोड़ बाकी जगहों पर अधिकतम पारा 40 डिग्री से नीचे बने रहे। नर्मदापुरम 40.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। इसके बाद सबसे ज्यादा तपिश धार और खंडवा में 40.1 डिग्री दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में पूरे दिन तेज धूप के बीच अधिकतम पारा 38.7 डिग्री रहा। मौसम विभाग की मानें तो अब सिस्टम कमजोर हो रहा है। ऐसे में सोमवार के बाद प्रदेशभर के शहरों में तापमान में दो से तीन डिग्री तक इजाफा हो सकता है।

आंधी-तूफान अलर्ट

रविवार तड़के 4 बजे सतना-मैहर जिले में आंधी-तूफान के साथ कुछ देर तेज बारिश हुई। कई जगह पेड़ व बिजली के खंभे गिर गए। सुबह 6.30 से 8 बजे के बीच दो घंटे में 8.5 मिमी बारिश हुई। दोपहर में मौसम साफ हुआ, पर शाम 7.30 बजे फिर बारिश हुई। रीवा में भी ऐसे ही हालात रहे। मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। खेतों में काटकर रखी गेहूं की फसल भीग गई।

जिन पुजारियों को भाजपा विधायक पुत्र ने पीटा, उनके पांव धोकर कांग्रेस ने मांगी माफी, बताया- कलयुग के औरंगजेब

देवास ■

मध्य प्रदेश के आर्थिक शहर इंदौर से भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला द्वारा देवास में स्थित आधी रात को मां चामुंडा की टेकरी पहुंचकर अपने दोस्तों के साथ माता के दर्शन करने की थान ली। विदायक के बेटे को पिता की सत्ता का इतना गरुर है कि, वो उस परम्परा को बदलने पर अड़ गया, जो हजारों सालों में कभी भी देश में आए किसी बड़े से बड़े अक्रांता ने भी नहीं बदली। विधायक पुत्र आधी रात को मंदिर के कपाट खुलवाने क जिद पर अड़ गया। जिले मंदिर के पुजारी ने हिंदू धर्म के खिलाफ बताया तो भाजपा विधायक का बेटा सुनकर आग बबूला हो गया। उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पुजारी के साथ जमकर मारपीट कर दी। अब इस मामले ने प्रदेश की राजनीति गरमा दी है। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा टेकरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ माता से क्षमा मांगी, बल्कि पीड़ित पुजारियों के गंगाजल से पैर धोकर उनसे भी माफी मांगी है।

इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि, इस पूरे घटनाक्रम के बाद हम लोग सबसे पहले मां से क्षमा मांगने आए हैं, मां जिन आताताईयों ने तेरा अपमान किया है, लोगों ने तेरा प्यार देखा है, आशीर्वाद देखा है,क्रोध नहीं देखा है। प्रार्थना है कि, क्रोध मत करना मां, वो तो पापी हैं, दंड के भागीदारी हैं, तू सर्वशक्तिमान है। आपके दंड से वो लोग बच नहीं सकते। वर्मा ने आगे कहा- मैं कहता हूं किस इस कलयुग में औरंगजेब ने तो मंदिर तोड़े थे और ये हिंदू औरंगजेब बन गए, आजकल जो आधी रात को मंदिर में घुसकर देवी-देवताओं के शयन में खलल डाल रहे हैं।

कांग्रेस ने जमकर साधा निशाना

मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक और प्रदेश प्रवक्ता एवं देवास जिला मिडिया प्रभारी अमित चौरसिया ने भाजपा नेता पुत्र द्वारा किये कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए बीजेपी और मुख्यमंत्री मोहन यादव पर करारा प्रहार किया। नायक के अनुसार, बीजेपी, जो दिन-रात धर्म और संस्कृति की रक्षा का ढोंग रचती है। आज अपने ही विधायक के बेटे की इस घृणित हरकत पर मौन हैं। रुद्राक्ष शुक्ला का ये कृत्य माता रानी के मंदिर की पवित्रता पर हमला ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की सवा सात करोड़ जनता की आस्था और विश्वास पर कायराना प्रहार है। क्या यही बीजेपी का रामराज्य है? क्या यही है उनका धर्म और संस्कृति के प्रति समर्पण? ये घटना बीजेपी की दोहरी नीति और सत्ता के दुरुपयोग का सबसे बड़ा प्रमाण है।

जन आंदोलन की चेतावनी

मुकेश नायक ने बीजेपी सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की जनता इस सत्ता के अहंकार को और बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर सरकार और पुलिस ने समय रहते रुद्राक्ष शुक्ला और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो मध्यप्रदेश कांग्रेस जनता के साथ मिलकर सड़कों पर उतरेगी। हम इस गुंडागर्दी और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ निर्णायक आंदोलन चलाएंगे। माता रानी के मंदिर का अपमान और जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

स्कूल के पास चल रहा क्रशर... शोर से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

छतरपुर ■

जिले की सरवई से लगभग 9 किलोमीटर दूर स्थित क्रशर ने रामपुर घोषी गांव के रहवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। गांव के पास स्थित इस क्रशर की गतिविधियों से न केवल ग्रामीणों को शारीरिक और मानसिक कष्ट झेलना पड़ रहा है, बल्कि विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

समाजसेवी लवलेश पाल ने बताया कि प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय क्रशर के समीप स्थित है, जिससे दिनभर उड़ने वाली धूल और मशीनों की तेजआवाज से बच्चों का पढ़ाई में ध्यान नहीं लग पाता। उन्होंने आगे कहा कि क्रशर में लगातार होने वाले ब्लास्टिंग के कारण पहाड़ के पास बने घरों में दरारें आ रही हैं और कई बार डर का माहौल बन जाता है कि कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए। ग्रामीण रमेश पाल, जागे पाल, भारत पाल, बबली प्रजापति, जगकिशोर प्रजापति और सीताराम पाल सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि क्रशर का संचालन दिन-रात होता है, जिससे लगातार धूल और शोर से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बच्चों की सुरक्षा और गांव के शांतिपूर्ण वातावरण को बनाए रखने की मांग को लेकर उन्होंने प्रशासन से गुहार लगाई है।

वक्फ अधिनियम में संशोधन, पहले वे आए कम्युनिस्टों के लिए

वक्फ अधिनियम को संशोधित कर दिया गया है। संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किए जाने और राष्ट्रपति का अनुमोदन हासिल होने के बाद यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट 2025 लागू हो गया है। इसके पारित होने के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने कहा था कि अब अन्य समुदायों की धार्मिक संपत्तियों को निशाना बनाया जायेगा। ठीक यही हुआ। संसद में विधेयक के पारित होने के तुरंत बाद आरएसएस के मुखपत्र द आर्गेनाइजर ने कैथोलिक चर्च की संपत्ति के बारे में एक लेख प्रकाशित किया। यद्यपि यह लेख प्रकाशन की वेबसाइट से तुरंत हटा लिया गया मगर जो सन्देश दिया जाना था, वह दे दिया गया है।

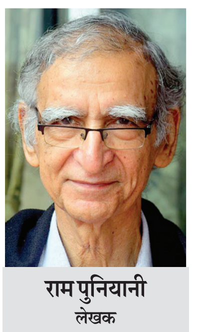

राम पुनियानी
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

झारखण्ड की एक मंत्री ने आशंका जाहिर की कि आरएसएस-भाजपा इसी तरह आदिवासियों की संपत्ति को भी हड़पने का प्रयास करेंगे। अगला शिकार कौन होगा, यह अभी कहना मुश्किल है। विधेयक पर बहस के दौरान एनडीए के गैर-भाजपा घटक दलों के नेताओं जैसे नीतीश कुमार, चन्द्रबाबू नायडू, चिराग पासवान और जयंत चौधरी भी भाजपा के पिछलग्गू बन गए और मुस्लिम समुदाय को बहुत बड़ा धोखा दिया। अगर वे बहुवाद के सिद्धांत में विश्वास रखते होते तो विधेयक को पारित होने से रोक सकते थे। जैसा कि पास्टर मार्टिन निमोलर की ख्यात कविता साफ बताती है कि फासीवादी एक बार में एक समूह को निशाने पर लेते हैं। उसे अन्यों के साथ मिलकर कुचल देते हैं। फिर दूसरे की बारी आती है। कैथोलिक बिशप, वक्फ संशोधन विधेयक का उत्साह से स्वागत कर रहे हैं। मगर उन्हें शायद यह नहीं पता कि अगला निशाना वे भी हो सकते हैं। ये लोग कुछ अजीब से हैं। वे इस्लामोफोबिया से इतने ग्रस्त हैं कि बिना सोचे-समझे सांप्रदायिक रणनीतियों का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ वह संपत्ति है जिसे मुसलमान धार्मिक उद्देश्यों के लिए दान देते हैं। गैर-मुस्लिम भी अपनी संपत्ति को वक्फ कर सकते हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वक्फ देश में संपत्ति का तीसरा सबसे बड़ा मालिक है। मगर सच यह है कि हिन्दू ट्रस्टों और मंदिरों के पास वक्फ से कहीं ज्यादा संपत्ति है। वक्फ एक्ट में जो संशोधन किये गए हैं वे हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा का हिस्सा हैं और इनका उद्देश्य वक्फ बोर्डों पर मुसलमानों के नियंत्रण को कमजोर करना है। हिन्दू ट्रस्टों और मंदिरों का नियंत्रण केवल हिन्दुओं के हाथों में है। मगर अब गैर-मुसलमान भी वक्फ बोर्डों के सदस्य बन सकेंगे और वक्फ संपत्तियों के मालिकाना हक के बारे में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार जिला कलेक्टरों को होगा। हिन्दू ट्रस्टों और वक्फ के बीच यह अंतर पक्षपाती है। सरकार वक्फ से जुड़े मसलों में मुसलमानों के हुकूक कम करना चाहती है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजुजू ने विधेयक प्रस्तुत करते समय अपने भाषण में कहा कि उसका उद्देश्य गरीब मुसलमानों के हालात में बेहतरी लाना है। वक्फ संपत्ति धार्मिक और सामाजिक उद्देश्यों के लिए है। गरीबी मिटाना सरकार का काम है और यह सरकार इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर रही है। सरकार का एकमात्र लक्ष्य है बड़े औद्योगिक घरानों की जेब भरना। सभी सरकारी नीतियां इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाई जा रहीं हैं। सरकार को न हिन्दू गरीबों से कोई मतलब है, न मुसलमान गरीबों से और ना ही किसी और मजहब के गरीबों से। और अगर धार्मिक संस्थाओं के पैसे का उपयोग समुदाय के हालात में बेहतरी लाना ही है तो फिर हम हिन्दू बहुसंख्यकों से

शुरू क्यों नहीं करते? हिन्दू ट्रस्टों और मंदिरों के पास अकूत सम्पदा है जिसे स्कूल और अस्पताल खोले जा सकते हैं और रोजगार के अवसर निर्मित किये जा सकते हैं। हिन्दू राष्ट्र के संघी एजेंडा पर चल रही यह सरकार यह सुनिश्चित क्यों नहीं कर रही कि मंदिरों के ट्रस्टों के संपत्ति का उपयोग गरीब हिन्दू किसानों, बेरोजगार हिन्दू युवाओं और अन्य कमजोर वर्ग के हिन्दुओं की भलाई के लिए किया जाए। किरण रिजुजू ने दावा किया कि कई गरीब मुसलमानों ने उन्हें सरकार के इस निर्णय के लिए बधाई दी है। क्या यह चुटकुला है? सच यह है कि हजारों मुस्लिम संगठनों ने इस संशोधन का विरोध किया है। इस संशोधन को भाजपा सरकार मुस्लिम समुदाय पर जबरन लाद रही है ताकि उसे कमजोर किया जा सके। यह दावा बचकाना है कि गरीब मुसलमान इस संशोधन के पक्ष में हैं। यह तो जगजाहिर है कि भाजपा को प्रजातान्त्रिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों से कोई लेनादेना नहीं है। वो भारत के मुसलमानों के बदहाली पर जो आंसू बहा रही है उन्हें देखकर तो मगरमच्छ भी शर्मा जायेगा। दरअसल, भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने से सबसे ज्यादा परेशानियाँ मुसलमानों को ही हुई हैं। उन्हें सड़क पर नमाज पढने के लिए पीटा जाता है, उन्हें बीफ खाने पर निशाना बनाया जाता है, हिन्दू धार्मिक मेलों आदि में उनका बहिष्कार होता है, उन पर कोरोना जिहाद करने का आरोप लगाया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के कड़े निदेर्शों के बावजूद राज्य सरकारें मुसलमानों की संपत्तियों पर बुलडोजर चला रही हैं। मोदी ने संविधान के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित करने के लिए उसकी एक प्रति को माथे से लगाया था। यह 2024 के आम चुनाव की बात है जब इंडिया गठबंधन ने संविधान को अपने चुनाव अभियान का प्रमुख प्रतीक बनाया था। भाजपा के लिए संविधान मात्र एक शोपीस है। उत्तर प्रदेश में वक्फ बिल का विरोध करने वाले व्यक्ति को दो लाख रुपये का बांड भरना होगा। यह है इस सरकार में प्रजातान्त्रिक अधिकारों की स्थिति। वक्फ संशोधन बिल भारतीय संविधान के प्रावधानों और उसकी आत्मा दोनों के खिलाफ है। पी। चिदंबरम ने पूरी स्थिति का सटीक वर्णन किया है: अदालतों ने कई मामलों में गैर-मुसलमानों द्वारा किये गए वक्फ को मंजूरी दी है। वर्तमान में लागू कानून के अनुसार वक्फ काफी हद तक स्वतंत्र और स्वायत्त हैं। राज्यों में उच्चतम नियामक संस्था वक्फ बोर्ड होती है, जिसके सभी सदस्य मुस्लमान होते हैं और जिसका मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी मुसलमान होना आवश्यक है। बोर्ड अपना काम वक्फ के निदेर्शों, वक्फ के उद्देश्य और वक्फ के रीति-रिवाजों के अनुरूप करता है। वक्फ के मामलों में न्यायिक फैसले एक ट्रिब्यूनल करता है, को एक जिला जज की अध्यक्षता में गठित न्यायिक संस्था होती है। भाजपा ने जो संशोधन किये हैं वे वक्फ के उद्देश्यों के एकदम उलट हैं। यह मुसलमानों को डराने और उन्हें कमजोर करने की दिशा में एक और कदम है। वक्फ के मामलों में भ्रष्टाचार की शिकायतें गंभीर हैं। जैसा कि अन्ना-केजरीवाल के जन लोकपाल अभियान से जाहिर है, ये तरीके काम नहीं करते। हम अपनी संस्थाओं को और अधिक पारदर्शी और प्रजातान्त्रिक बना कर ही भ्रष्टाचार मिटा सकते हैं। यह न केवल वक्फ के मामले में लागू है वरन उन अधिकांश धार्मिक संस्थाओं के मामले में भी लागू है जिनके पास जमीनें और संपत्ति है। आर्गेनाइजर में कैथोलिक चर्च की संपत्ति के बारे में लेख से यह साफ है कि जो लोग मुस्लिम समुदाय पर इस हमले का समर्थन कर रहे हैं, उन्हें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों का समर्थन कर वे अपने-आप को बचा लेंगे। मुस्लिम समुदाय द्वारा इस संशोधन का विरोध तेजी पकड़ रहा है और जो भी लोग प्रजातान्त्रिक और बहुवादी मूल्यों में यकीन रखते हैं उन्हें इस विरोध का समर्थन करना चाहिए और उनके साथ खड़ा होना चाहिए। जो लोग सत्ता के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं उनका पदार्फाश हो गया है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि आने वाले चुनावों में लोग उन्हें उनकी सही जगह दिखा देंगे - जो इतिहास के कूड़ेदान में है।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

महंगाई और कर्ज से त्रस्त निम्न एवं मध्यम वर्ग

वर्तमान समय में देश का आम नागरिक, विशेषकर निम्न और मध्यम वर्ग, महंगाई और कर्ज के दोहरे संकट से जूझ रहा है। आज जब एक तोला सोना 90,000 रुपए के पार पहुंच गया है। वहीं आम आदमी की आय और वेतन में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। यह आर्थिक असमानता न केवल आम जीवन को कठिन बना रही है। बल्कि सामाजिक और मानसिक तनाव को भी बढ़ा रही है। वर्तमान में मनो रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने लगे हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है। जब-जब महंगाई बढ़ी है, उसके साथ लोगों की आय भी बढ़ती है। पिछले 75 वर्षों कि इतिहास में महंगाई और कमाई के बीच इतना बड़ा अंतर कभी देखने को नहीं मिला। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें पेट्रोल और डीजल में 35 से 40 रुपये प्रति लीटर टेक्स आम जनता से वसूल कर रही है। जिसके कारण खाने-पीने से लेकर हर चीज की कीमतें कई गुना बढ़ गई है। पिछले 10 वर्षों में जीएसटी एवं अन्य टेक्स बढ़ाकर जनता से वसूल ?किये जा रहे हैं। ?जिसके कारण आम आदमी महंगाई की मार से कराह रहा है। आ?र्थिक मंछी ने बेरोजगारी बढ़ा दी है। करोड़ों पढ़े-??लिखे स्नातक परस्नातक युवाओं को ?पिछले 10 वर्ष से नौकरी नहीं ?मिल रही है। मनरेगा में भी बजट घटा ?दिया गया है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार मचा हुआ है। 78 वर्षों के इ?तिहास में यह पहली बार देखने को ?मिल रहा है। 1947 में सोने की कीमत मात्र 88.62 रुपए प्रति तोला थी, तब आम आदमियों का वेतन 15 से 30 रुपए महीना होता था। प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसदों, विधायकों का वेतन डेढ़ सौ से ढाई सौ रुपया प्रतिमाह होता था। तुलनात्मक रूप से वेतन से प्रधानमंत्री 300 ग्राम तक सोना खरीद सकते थे। आज प्रधानमंत्री का वेतन लगभग दो लाख रुपए प्रतिमाह है। इस वेतन से वे मात्र 20 ग्राम सोना ही खरीद सकते हैं। बीते सात दशकों में सोने की कीमतों में 1000 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। जबकि आय में महज 50 से 60 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस विसंगति का सीधा प्रभाव आम लोगों पर पड़ा है। बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की बचत खत्म हो चुकी है। जरूरतें पूरी करने के लिए बैंक और साहूकारों से कर्ज लेना उनकी मजबूरी बन गई है। कई परिवार सोना गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं, किस्तें चुका पाने में असमर्थ हैं। ऐसी स्थिति में गिरवी रखा हुआ सोना बैंक और वित्तीय संस्थान नीलाम कर रहे हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया होने के कारण, मध्य एवं निम्न वर्ग के परिवार अपने बच्चों की शिक्षा और पोषण जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे हैं। आर्थिक असंतुलन की यह स्थिति न केवल सामाजिक असुरक्षा और मानसिक तनाव को जन्म दे रही है। देश की उत्पादकता ,विकाश और प्रगति को भी बाधित कर रही है। सरकार को चाहिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए। निम्न व मध्यम वर्ग के लिए वेतन,रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं को मजबूत करे। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के जो अवसर उपलब्ध थे। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सरकार ने जो कानून बनाए हैं। जिनके कारण स्थानीय रोजगार खत्म होते चले जा रहे हैं। स्थानीय नौकरी खत्म होती जा रही है। वह पुन स्थापित करने की दिशा में सरकार कार्य करे। स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा कर लोगों की आय और बेरोजगारी की समस्या से निजात पाया जा सकता है। महंगाई और आय के बीच की यह खाई इसी तरह बढती रही, तो आने वाले समय में सामाजिक असंतोष और आर्थिक अस्थिरता एक बड़ी चुनौती बनेगी। समय की मांग है, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, सभी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन इस दिशा में सामूहिक प्रयास करें। आर्थिक मंदी के इस दौर में जब वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाएं अपनी भूमिका सही तरीके से नहीं निभा पा रही हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने रिटेल सेक्टर, आयात और निर्यात व्यापार के लिए अलग से नीतिगत निर्णय लेना होगा। महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या से निपटना होगा। भारत की आबादी चीन के बराबर है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है।

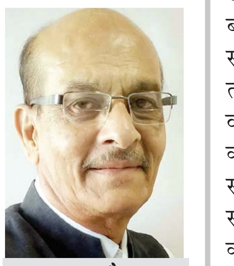

सनत जैन
लेखिका
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

कला सशक्त माध्यम है दुनिया को खूबसूरत बनाने का

ललित गर्ग | लेखक

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

कला जीवन को रचनात्मक, सृजनात्मक, नवीन और आनंदमय बनाने की साधना है। कला के बिना जीवन का आनंद फीका अधूरा है। कला केवल एक भौतिक वस्तु नहीं है जिसे कोई बनाता है बल्कि यह एक भावना है जो कलाकारों और उन लोगों को खुशी और आनंद देती है जो इसकी गहराई को समझते हैं। कला अति सूक्ष्म, संवेदनशील और कोमल है, जो अपनी गति के साथ मस्तिष्क को भी कोमल और सूक्ष्म बना देती है। हम जो कुछ भी करते हैं उसके पीछे एक कला छिपी होती है। कला का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व है। इसी महत्व के लिये विश्व कला दिवस विभिन्न कलाओं का एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव है, जिसे दुनिया भर में रचनात्मक गतिविधि के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कला संघ (आईएए) द्वारा घोषित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय कला संघ की 17वीं आम सभा में 15 अप्रैल को इस दिवस को घोषित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसका पहला समारोह 2012 में आयोजित किया गया था। इस प्रस्ताव को तुर्की के बेदरी बैकम ने प्रायोजित किया और मैक्सिको की रोजा मारिया बुरीलो वेलास्को, फ्रांस की ऐनी पौरनी, चीन के लियू दावेई, साइप्रस के क्रिस्टोस सिमेयोनिडेस, स्वीडन के एंडर्स लिडेन, जापान के कान इरी, स्लोवाकिया के पावेल क्राल, मॉरीशस के देव चूरामुन और नॉर्वे की हिल्डे रोगनस्कॉग ने सह -हस्ताक्षर किए।

विश्व कला दिवस की 2025 की थीम है ह्यअभिव्यक्ति का उद्यानः कला के माध्यम से समुदाय का विकास करनाह्य। इस थीम का उद्देश्य कला के माध्यम से सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। दुनिया भर के कलाकारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है, जिसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों और उनकी कला को सुरक्षित, संरक्षित एवं सवंर्धित करना और उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। कला दिवस विश्व में विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। कलाकार कविता, पेंटिंग, मूर्तिकला, नृत्य, संगीत जैसे विभिन्न भौतिक साधनों के माध्यम से अपने विचारों, रचनात्मकता, ज्ञान, भावनाओं और कल्पना का आदान-प्रदान करते हैं। यह दिन हमें अपने आस-पास की प्रकृति में गोता लगाने, उसकी सुंदरता का निरीक्षण करने और अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देने को प्रेरित करता है। इसके माध्यम से जीवन की खूबसूरती को उकेरने एवं मोहक दुनिया का सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है।

विश्व कला दिवस की तिथि लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में तय की गई थी, जो इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे। लिओनार्दो अपनी कला की वजह से दुनिया भर में मशहूर थे, दा विंची को विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सहिष्णुता, भाईचारे और बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कला के महत्व के प्रतीक के रूप में चुना गया था। कला और कलाकारों की कलात्मक सोच को सम्मानित और आत्मसात करने के उद्देश्य से ही हर साल यह दिवस मनाया जाता है। रंगों और आकृतियों के माध्यम से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए, कला जीवन के सार को पकड़ती है, भावनाओं को जगाती है और शब्दों के बिना भी संबंध को बढ़ावा देती है। विंची एक महान कलाकार थे। उन्होंने कई ऐसी पेंटिंग बनाई हैं, जो विश्वभर में प्रसिद्ध हुई हैं। इन सब में ह्यमोना लिसा की पेंटिंगह्ण के बारे में बच्चे-बच्चे को पता है। लेकिन, विंची ने मोना लिसा के अलावा भी कई विख्यात पेंटिंग बनाई हैं, जिनमें से कुछ हैं - लास्ट सपर, सेल्फ पोर्ट्रेट, द वर्जिन ऑफ द रॉक्स, हेड ऑफ अ वुमेन आदि। उनकी बनाई गई पेंटिंग्स आज भी दुनियाभर के म्यूजियम में रखी हुईं हैं, जिन्हें देखने हर साल कई लाख लोग आते हैं। दुनिया में कला के विविध रंग बिखरे हैं, कई अद्भुत आर्ट फॉर्म्स प्रचलित है। पॉप आर्ट एक खास तरह का आर्ट फॉर्म है, जो सदियों से लोगों का पसंदीदा रहा है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटिंग को एक कल्पना के तहत बनाया जाता है। इसमें पेंटिंग्स के पारंपरिक तरीकों का प्रयोग किया जाता है। कंटेम्परी आर्ट का सीधा मतलब है, ऐसा आर्ट जो हाल के समय में बनाया गया हो। इस तरह के आर्ट में हाल में हुई घटनाओं पर फोकस किया जाता है। कई लोग मानते हैं कि कंटेम्परी आर्ट और मॉडर्न आर्ट एक ही हैं। मगर ऐसा नहीं है, कंटेम्परी आर्ट के उलट मॉडर्न आर्ट के पेंटिंग्स में पारंपरिक तरीकों को फॉलो नहीं किया जाता है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटर्स को छूट होती है, अपनी कल्पना के तहत पेंटिंग्स बनाने की। एब्सट्रैक्ट आर्ट की पेंटिंग्स बनाना एक बहुत मुश्किल और उलझा हुआ काम है। इस तरह के आर्ट में रंगों और अलग-अलग तरह की आकृतियों का इस्तेमाल किया जाता है, जो एक दूसरे में घुली-मिली-सी होती हैं। एब्सट्रैक्ट आर्ट में कलर्स का इस्तेमाल खासतौर पर भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। स्पिरिचुअल आर्ट में अध्यात्म और भक्ति से जुड़ी हुई पेंटिंग्स बनाई जाती हैं। कई बार कलाकार पूरी तरह से भक्ति और अध्यात्म में डूबकर ही इस तरह की पेंटिंग्स को पूरा कर पाते हैं। हर देश में वहां के कल्चर, अध्यात्म, आस्था और भगवान के अनुसार स्पिरिचुअल आर्ट्स बनाए जाते हैं। संगीत भी कला का माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं, ये कला के बेजोड़ नमूने है। भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास भक्ति संगीत एवं साहित्य विलक्षण उदाहरण हैं। कठपुतली भी कला का ही एक नमूना है, लकड़ी अर्थात काष्ठ से इन पात्रों को निर्मित किये जाने के कारण अर्थात काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा। पुतली कला कई कलाओं का मिश्रण है, जिसमें-लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि। भारत में यह कला प्राचीन समय से प्रचलित है, जिसमें पहले अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, हीर-रांझा, लैला-मजनूं, शीरी-फरहाद की कथाएँ ही कठपुतली खेल में दिखाई जाती थीं। भारत में प्राचीन समय से नृत्य की समृद्ध परम्परा चली आ रही है। नृत्य के अनेक प्रकारों में कथकली प्रमुख है, मोहिनीअट्टम नृत्य भी केरल राज्य का है। मोहिनीअट्टम नृत्य कलाकार का भगवान के प्रति अपने प्यार व समर्पण को दर्शाता है। ओडिसी ओडिशा राज्य का प्रमुख नृत्य है। यह नृत्य भगवान कृष्ण के प्रति अपनी आराधना व प्रेम दर्शाने वाला है। कुचिपुड़ी नृत्य की उत्पत्ति आंध्रप्रदेश में हुई, इस नृत्य को भगवान मेला नटकम नाम से भी जाना जाता है। भारत के विभिन्न नृत्यकलाओं में निपुण अनेक नर्तकों एवं नृत्यांगनाओं ने पूरी दुनिया में भारतीय नृत्य कलाओं का नाम रोशन कर रहे हैं। जिनमें सोनल मानसिंह, यामिनी कृष्णामूर्ति, केलुचरण महापात्रा आदि चर्चित नाम है। सब लोग किसी न किसी कला में उस्ताद जरूर होते हैं। जैसेकि लेखक, कवि, नाटककार, संगीतज्ञ, गीतकार, नृत्यकार आदि। आज के युवा बहुत-सी कलाओं को दुनिया के सामने ला रहे हैं, जो सबको अचंभे में डाल देती है। दुनिया भर की इन्हीं कलाओं को बढ़ावा देने और जो लोग कला का महत्व नहीं समझते, उन्हें कला के अलग-अलग रूपों से मिलवाने के लिए ही विश्व कला दिवस मनाया जाता है। लेकिन, जब हम कला दिवस की बात करते हैं तो यहां कला का अर्थ है पेंटिंग्स।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें। उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है। उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

किशन भावनानी
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है। यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

यूपी बन रहा मैन्युफैक्चरिंग हब, बांग्लादेश से शिफ्ट हो रहा कपड़ा व्यापार

नई दिल्ली ■

यूपी मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। नोएडा में फैक्टरियां खुल रही हैं। बांग्लादेश का कपड़ा व्यापार यूपी शिफ्ट हो रहा है। ऐपल के लिए आईफोन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन ने भी उत्तर भारत में अपना पहला प्लांट लगाने के लिए यूपी का चयन किया है। कंपनी ग्रेटर नोएडा में बड़ा प्लांट लगाना चाहती है। यह प्लांट यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 300 एकड़ जमीन पर बनाने की योजना है। बेंगलुरु फैक्टरी फॉक्सकॉन की दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी फैक्टरी है।

फॉक्सकॉन इस समय तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में काम कर रही है। नोएडा का क्लस्टर आज चेन्नई की तरह बढ़ता हुआ मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है, जहां मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय प्रतिभा और कई सप्लायर्स की मौजूदगी है। इस वजह से ही फॉक्सकॉन की इस पर नजर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्र सरकार ने पिछले साल इंडस्ट्रियल पार्क के लिए 300 एकड़ जमीन देने का प्रस्ताव दिया था। अभी यह बातचीत शुरूआती दौर में है और किसी खास उत्पाद या ग्राहक को लेकर कोई योजना नहीं बनाई गई है। एचसीएल-फॉक्सकॉन ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में 50 एकड़ भूमि एक आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट यूनिट लगाने के लिए ली थी। फॉक्सकॉन इस 50 एकड़ के टुकड़े के साथ वाली जमीन ही अपनी ग्रेटर नोएडा प्लांट के लिए लेना चाहता है। इस पूरी परियोजना को लेकर फॉक्सकॉन ने अभी कोई जानकारी नहीं दी है। फॉक्सकॉन जिस जगह अपना प्लांट लगाना चाहती है, वह यमुना एक्सप्रेसवे के साथ लगती है. यह एक्सप्रेसवे ग्रेटर नोएडा को आगरा और जेवर एयरपोर्ट से जोड़ता है। यह इलाका यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधीन आता है। फॉक्सकॉन की भारत में मौजूदगी बढ़ रही है। कंपनी भारत में 25-30 मिलियन आईफोन का निर्माण करने की योजना पर काम कर रही है, जो कि पिछले साल की तुलना में दोगुना है। सिर्फ स्मार्टफोन नहीं, कंपनी अब आईसीटी, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और डिजिटल हेल्थ जैसे सेक्टर्स का भी विस्तार करना चाहती है।

बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को वापस मंगवाने का फैसला

नई दिल्ली ■

अपनी प्रीमियम बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने हेडलाइट से जुड़ी तकनीकी खामी के कारण वापस मंगवाने का फैसला किया है। यह रिकॉल 2018 से 2020 के बीच निर्मित यूनिट्स के लिए लागू होगा।

कंपनी ने यह कदम वैश्विक स्तर पर उठाए गए ऐसे ही सुधारात्मक एक्शन के अनुरूप उठाया है। कंपनी का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह एहतियातन है और इसके तहत प्रभावित यूनिट्स के खराब हिस्सों को बदला जाएगा। कंपनी ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे होंडा बिगविंग वेबसाइट पर जाकर अपनी बाइक की विशिष्ट वाहन पहचान संख्या (वीआईएन) दर्ज करें, जिससे यह पता लगाया जा सके कि उनकी बाइक इस रिकॉल अभियान के तहत आती है या नहीं। यदि वीआईएन नंबर प्रभावित बैच से मेल खाता है, तो ग्राहक नजदीकी सर्विस सेंटर पर जाकर फ्री में मरम्मत करा सकते हैं। होंडा सीबी300आर एक प्रीमियम कैटेगरी की बाइक है जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत करीब 2.40 लाख रुपये है और ऑन रोड कीमत लगभग 2.73 लाख रुपये तक जाती है।

ओला इलेक्ट्रिक के बिक्री के आंकड़ों को लेकर विवाद, फरवरी 2025 में जारी हुए

नई दिल्ली ■

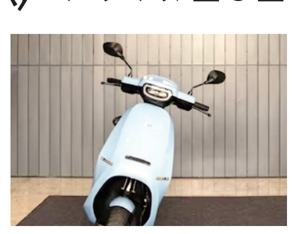

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के बिक्री को लेकर जारी किए गए आंकड़ों पर विवादों में घिरी हुई है। फरवरी 2025 में जारी हुए आंकड़े को लेकर पांच हफ्ते बीतने के बाद भी कंपनी को सफाई देनी पड़ रही है। वजह है कंपनी द्वारा बताए गए 25,000 यूनिट्स की बिक्री और व्हीकल रजिस्ट्रेशन के आधिकारिक आंकड़ों के बीच भारी अंतर।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को दिए जवाब में ओला ने ऐसे वाहनों को भी शामिल कर लिया, जो बाजार में लॉन्च ही नहीं हुए थे। 9 अप्रैल को ओला इलेक्ट्रिक ने एक्सचेंजों को एक बयान जारी कर बताया कि फरवरी की बिक्री की जानकारी उन कन्फर्म ऑर्डरों पर आधारित थी, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत ऑर्डर प्लेसमेंट के समय पूरी तरह भुगतान किए जा चुके थे। कंपनी के मुताबिक इन ऑर्डरों में जेन 3 और रोडस्टेर एक्स जैसे नए प्रोडक्ट भी शामिल थे, जो फरवरी में फुल पेमेंट के साथ खरीदे जा सकते थे। हालांकि, सच्चाई यह है कि ओला इलेक्ट्रिक ने फरवरी में वाहन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बाहरी एजेंसियों से हटाकर इन-हाउस कर दी थी, जिससे देशभर के आरटीओ के साथ उनके संबंधों में बाधा आई और रजिस्ट्रेशन डेटा प्रभावित हुआ। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में ओला की सिर्फ 8,649 यूनिट्स ही रजिस्टर्ड हुईं, जो कंपनी के दावे की एक तिहाई है। 1 मार्च को सामने आए इन आंकड़ों ने सवाल खड़े कर दिए कि जब वाहन रजिस्ट्रेशन के बिना उन्हें बेचा नहीं जा सकता, तो फिर ओला के 25,000 यूनिट्स की बिक्री का दावा कैसे सही हो सकता है। केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, वाहन की डिलीवरी से पहले उसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। अब ओला इलेक्ट्रिक पर आरोप है कि उसने निवेशकों और आम जनता को गुमराह करने के लिए बिक्री के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

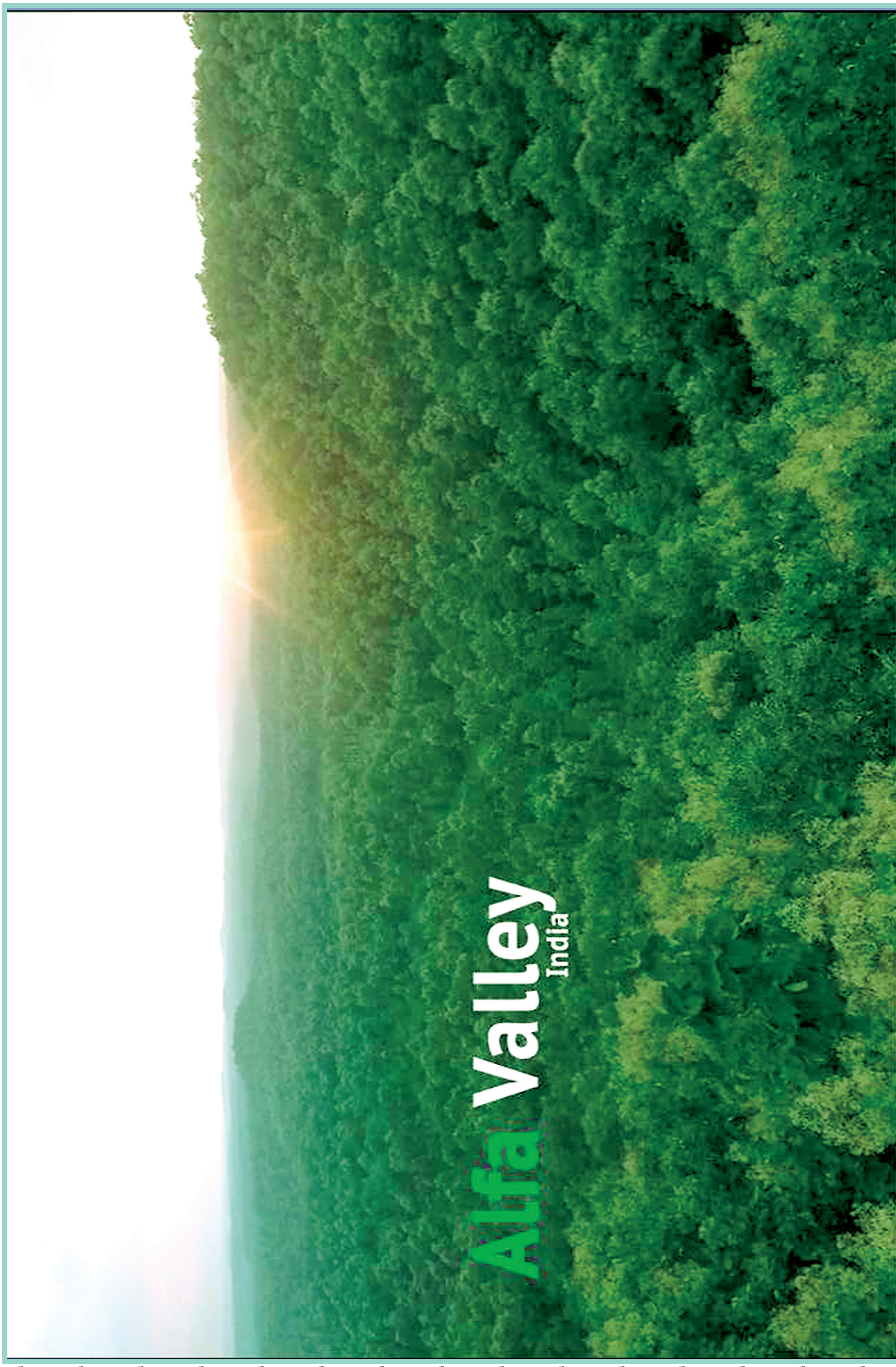
Alfa Valley
India

मनोरंजन

अभिनेत्री मौनी रॉय का किरदार 'मोहब्बत' दर्शकों के लिए नया अनुभव

बालीवुड फिल्म 'द भूतनी' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। अभिनेत्री मौनी रॉय की यह फिल्म हॉरर, एक्शन और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण है, जिसमें मौनी का किरदार 'मोहब्बत' दर्शकों के लिए एक नया अनुभव लेकर आने वाला है। मौनी रॉय का मानना है कि पिछले प्रोजेक्ट्स, खासकर टीवी शो 'नागिन' और फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में काम करने से उन्हें काफी मदद मिली। मौनी रॉय ने कहा कि वह खुद एक प्रशिक्षित डांसर हैं, जिससे उन्हें स्टंट करने में संतुलन बनाने और शरीर को नियंत्रित करने में आसानी हुई। उन्होंने फिल्म के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि इसकी टीम बेहद शानदार थी और उनके सह-कलाकारों का समर्थन उन्हें लगातार मिलता रहा। मौनी का मानना है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें हर दिन कुछ नया सीखने को मिला। इस फिल्म में संजय दत्त एक भूत भगाने वाले बाबा के किरदार में नजर आएंगे, जो दर्शकों के लिए एक अलग और दिलचस्प अनुभव होगा। संजय दत्त ने इस रोल को लेकर कहा कि उन्हें कॉमेडी करना बहुत पसंद है और 'द भूतनी' की स्क्रिप्ट ने उन्हें खासा आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि हॉरर-कॉमेडी एक कठिन लेकिन मनोरंजक शैली है और इस फिल्म की कहानी में दर्शकों को भरपूर मनोरंजन मिलेगा।

रणदीप हुड्डा जल्द ही जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे

क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद अभिनेता रणदीप हुड्डा एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रूसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा: कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिंग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांद्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है।

वॉर-थ्रिलर फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का ट्रेलर लांच

बालीवुड की बहुप्रतीक्षित वॉर-थ्रिलर फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का ट्रेलर कल लॉन्च किया गया। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की इस फिल्म के ट्रेलर के साथ ही दर्शकों को इसकी झलक मिल गई, जिसमें देशभक्ति, एक्शन और थ्रिलर का दमदार मिश्रण देखने को मिला। इमरान हाशमी इस फिल्म में बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर घाटी में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन को अंजाम देता है। फिल्म की शुरुआत 2001 के कश्मीर घाटी से होती है। ट्रेलर में जैसे ही बैकग्राउंड डायलॉग सुनाई देता है पत्थर फेंकने के दिन गए, असली शोर मचाना है तो पिस्टल चलाना होगा वैसे ही स्क्रीन पर आतंक की गूंज, धमाके और एक्शन सीक्वेंस शुरू हो जाते हैं। ट्रेलर में एक और संवाद तुझे लायी यहां तेरी मौत फौजी, कश्मीर का बदला लेगा गाजी कहानी को और तीव्रता देता है, और इसके तुरंत बाद इमरान हाशमी की एक दमदार एंट्री होती है। 'ग्राउंड जीरो' की कहानी 2001 में हुए भारतीय संसद हमले की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे और उनकी टीम आतंकियों के नेटवर्क को ध्वस्त करते हैं और हमले के मास्टरमाइंड गाजी बाबा तक पहुंचते हैं। ट्रेलर में इमरान का एक्शन अवतार और देश के लिए समर्पण दर्शकों को रोमांचित करता है। फिल्म को 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। देशभक्ति, साहस और सच्ची घटनाओं पर आधारित यह फिल्म दर्शकों के लिए एक प्रेरणादायक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। फिल्म में इमरान हाशमी के साथ साई ताम्हणकर, जोया हुसैन, मुकेश तिवारी, दीपक परमेश, ललित प्रभाकर, रॉकी रैना और राहुल वोहरा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अक्षर पर 12 लाख का जुर्माना:मुंबई के खिलाफ स्लो ओवर रेट के लिए लगा फाइन, दिल्ली आईपीएल 2025 में पहला मैच हारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर स्लो ओवर रेट के लिए 12 लाख का फाइन लगाया गया है। उन पर यह जुर्माना रविवार को दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मैच में स्लो ओवर रेट लिए लगाया गया है। बीसीसीआई ने अपने बयान में लिखा कि आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी (पटेल की) टीम का इस सीजन का पहला अपराध था। इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा।दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 205 रन बनाए। जिसमें रोहित ने 18, रिकल्टन ने 41, सूर्यकुमार यादव ने 40, तिलक वर्मा ने 59 और नमन धीर ने नाबाद 38 रन बनाए। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने 2 और कुलदीप ने 2 विकेट चटकाए। जवाब में इस लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली एक समय जीतने वाली स्थिति में थी लेकिन मुंबई के गेंदबाजों ने मैच को अपनी तरफ मोड़ते हुए 12 रनों से जीत लिया। दिल्ली के लिए करुण नायर ने 89, अभिषेक पोरेल ने 33, केएल राहुल ने 15, आशुतोष शर्मा ने 17 और विपराज ने 14 रन बनाए। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा ने 3 और सेंटनर ने 2 विकेट चटकाए।

इस सीजन में छठी बार स्लो ओवर के लगा जुर्माना

आईपीएल 2025 सीजन में स्लो ओवर के लिए अलग-अलग कप्तान पर छठी बार जुर्माना लगाया गया है। राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स पर एक-एक बार जुर्माना लगाया गया है।

ऋतुराज की जगह आयुष को शामिल करेंगी सीएसके, पृथ्वी की वापसी का सपना टूटा

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम कप्तान ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उनकी जगह पर मुंबई के उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल करेगी। सीएसके के इस कदम से खराब दौर से गुजर रहे पृथ्वी शॉ को करारा लगा है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा था कि सीएसके को ऋतुराज की जगह पर पृथ्वी को शामिल करना चाहिये पर इस बल्लेबाज के खराब फार्म को देखते हुए सीएसके इसके लिए तैयार नहीं है। जिससे पृथ्वी की आईपीएल में वापसी की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी हैं। इसी को देखते हुए. सीएसके इस साल ईरानी कप मैच में मुंबई की ओर से फर्स्टक्लास डेब्यू करने वाले आयुष को शामिल करने की दिशा में काम कर रही है। सीएसके प्रबंधन की ओर से कहा गया, आयुष कुछ दिनों में टीम से जुड़ेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया, उन्हें तुरंत फ्रेंचाइजी में शामिल होने के लिए कहा गया है पर टीम के साथ जुड़ने में उन्हें कुछ समय लगेगा। आयुष इससे पहले हुई नीलामी में नहीं बिके थे जबकि उनका आधारमूल्या 30 लाख रुपये था।

ऑस्ट्रेलिया में दिखेंगी काशी की पूजा, पहली बार भारतीय महिला हॉकी टीम में जिले का प्रतिनिधित्व

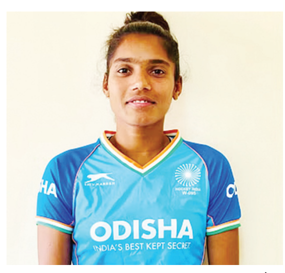

वाराणसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम में वाराणसी के गंगापुर की निवासी पूजा यादव का चयन हुआ है। मिडफील्डर पूजा वाराणसी की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई जिसका चयन भारतीय महिला हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा ने बैंगलोर से फोन पर बातचीत में बताया कि आज वह अपने माता-पिता की तपस्या के कारण पहुंची है। पिता महेंद्र यादव दूध बेचने का काम करते हैं। माता कलावती देवी ग्रहणी हैं। वह छह बहन व एक भाई हैं। वह पांचवें नंबर पर है।

ओलंपियन ललित उपाध्याय की वीडियो देख वह प्रेरित होती हैं। गंगापुर से उसने अपनी हॉकी यात्रा शुरू की। वहां से साई के कोच द्वारा खेल निखारा। अभी लखनऊ साई हॉस्टल में है। पूर्वांचल विश्विद्यालय जौनपुर से बीए कर रही हैं। हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के कारण खेलों का बहुत विकास हो रहा है।

मायकोलास अलेक्ना का चक्का फेंक में विश्व रिकॉर्ड, 75.56 मीटर का रहा थ्रो

रमोना (अमेरिका) ■ एजेंसी

लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चक्का फेंक में यहां अपने विश्व रिकॉर्ड को दो बार पीछे छोड़ा। उन्होंने ओक्लाहोमा थ्रोज सीरीज वर्ल्ड इनविटेशनल प्रतियोगिता में 247 फीट, नौ इंच (75.56 मीटर) चक्का फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

इस स्टार खिलाड़ी में इससे पहले अपने शुरुआती प्रयास में 74.89 मीटर चक्का फेंककर अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था। पिछले साल इसी प्रतियोगिता में उन्होंने 1986 से चला आ रहा विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैट डेनी ने 74.78 मीटर की दूरी तक चक्का फेंक कर कुछ समय के लिए रिकॉर्ड अपने नाम किया, लेकिन 22 वर्षीय अलेक्ना ने जल्द ही फिर से उसे अपने नाम कर दिया।

धोनी संन्यास लेकर कमेंट्री करें : हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहे मैथ्यू हेडन ने कहा है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को अब संन्यास लेकर कमेंट्री करनी चाहिये। हेडन ने कहा कि धोनी अब अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। इसलिए उन्हें वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिये। आईपीएल के इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। धोनी बल्लेबाज के लिए निचले क्रम पर भी उतरते हैं। इसके पीछे का कारण कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने ये बताया है कि धोनी का शरीर अब पहले जैसा नहीं है , वहीं हेडन का माना है कि धोनी को संन्यास के बाद कमेंट्री करनी चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर का माना है कि धोनी ने अब लय खो दी है।

अफगानी महिला क्रिकेटर्स के लिए आईसीसी की मदद

बोर्ड ने कहा- भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आर्थिक सहायता करेंगे

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के साथ मिलकर अफगानिस्तान महिला क्रिकेटरों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की है। आईसीसी ने रविवार को जिम्बाब्वे में अपनी बोर्ड मीटिंग के दौरान कहा, अफगानी महिला क्रिकेट के लिए तीनों बोर्ड आर्थिक सहायता प्रदान करेंगे। साथ ही %वर्ल्ड क्लास कोचिंग और सुविधाएं भी प्रदान की जाएगी।

2021 में तालिबान के आने के बाद से ही अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा कॉन्ट्रेक्टेड कुल 21 विमेंस क्रिकेटर ने अपना देश छोड़ दिया था। जिसके बाद इसी साल ऑस्ट्रेलिया में एक क्रिकेट मैच के लिए वे फिर से एकत्रित हुई, जिससे उन पर सबका ध्यान गया। अफगानिस्तान में खेलने से प्रतिबंधित यह विमेंस क्रिकेटर कैनबरा और मेलबर्न में आकर क्रिकेट खलेते हैं। फिरोजा अमीरी और नाहिदा सपन अफगानी क्रिकेटर में से एक हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में शरण ली।

हिमाचल के चंद ने 59 किलोग्राम वर्ग में जीता स्वर्ण

शिमला। हैनॉल्ट स्कूल में चल रही राष्ट्रीय स्तरीय बीच ग्रैपलिंग कुश्ती प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने दमदार प्रदर्शन किया। कुल 16 विजेता खिलाड़ियों के नाम सामने आए हैं, जिन्होंने विभिन्न वजन वर्गों में पदक जीते। हिमाचल प्रदेश के चंद ने 59 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि हरियाणा के कुलदीप को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 130 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा के सचिन ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि उत्तर प्रदेश के अजयवीर को दूसरा स्थान मिला। 77.7 किलोग्राम वर्ग में दिल्ली के सुजीत ने स्वर्ण पदक जीता और हरियाणा के मोहम्मद अमन ने रजत पदक हासिल किया। 92 किलोग्राम वजन वर्ग में हरियाणा के दीप ने पहला और मिस्देस ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 81 किलोग्राम वर्ग में राजस्थान की पिंकी ने स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली के गौरव कुमार ने 84 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। 71 किलोग्राम वर्ग में हरियाणा के यशेन ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि 97 किलोग्राम वर्ग में राजस्थान के दारा सिंह को दूसरा स्थान मिला।

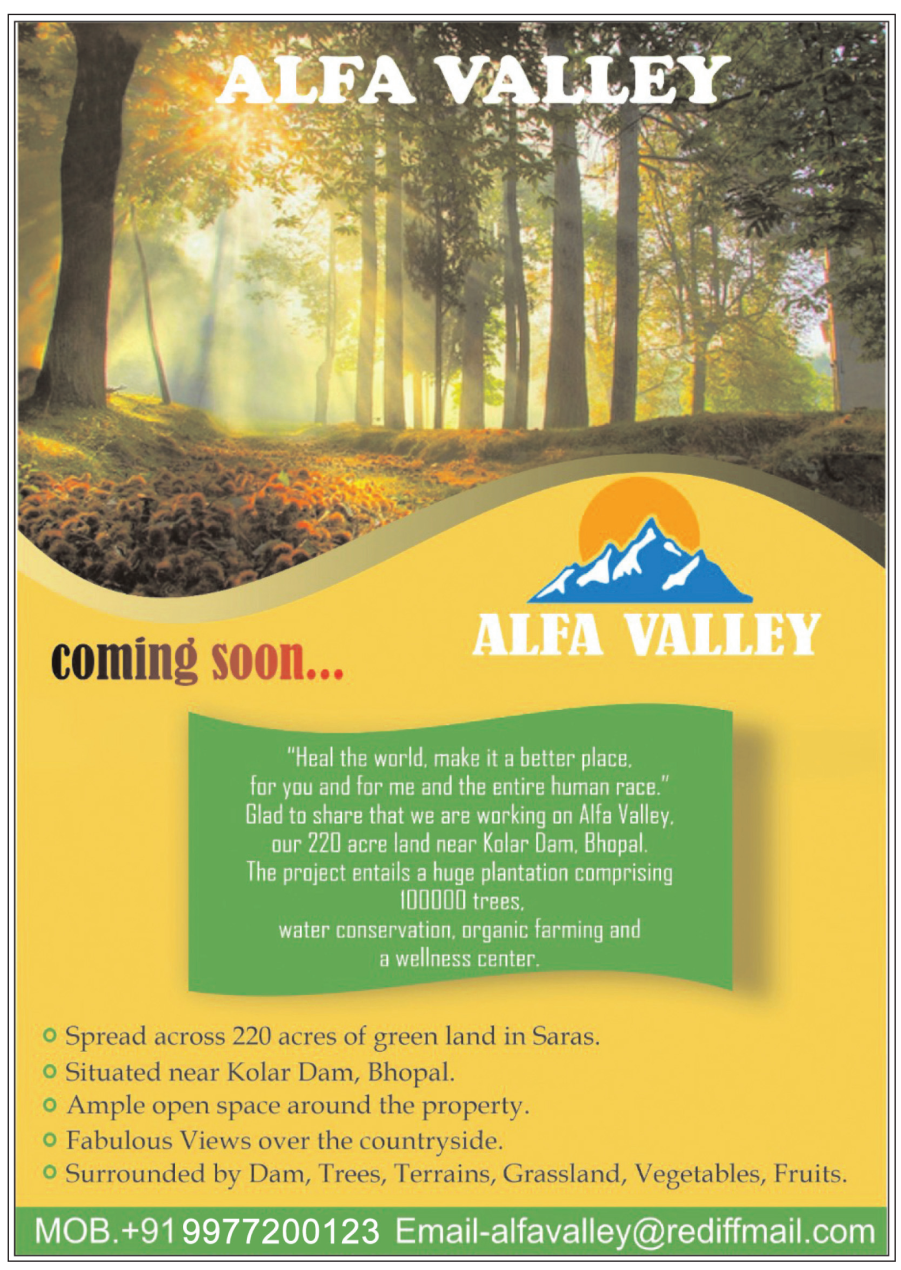

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com